संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 25 अप्रैल 2023 | ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 112 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखंड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

'सरकार ने पंचायती राज को मजबूत किया'

गांवों का भरोसा बनाए रखा

= उनकी सरकार ने देश की पंचायतों के लिए आवंटित धन को 70 हजार करोड़ से बढ़ाकर 02 लाख करोड़ रुपया कर दिया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 2014 के बाद से केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने देश में पंचायती राज को मजबूत करने का काम किया है। उनकी सरकार ने देश की पंचायतों के लिए आवंटित धन को 70 हजार करोड़ से बढ़ाकर 02 लाख करोड़ रुपया कर दिया है। कांग्रेस पर पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद सबसे ज्यादा समय तक सरकार चलाने वाली पार्टी ने गांवों का भरोसा तोड़ दिया। कांग्रेस सरकार के दौरान गांव जनता, स्कूल, सड़कें, बिजली, भंडारण और अर्थव्यवस्था सबको सरकारी प्राथमिकताओं में सबसे निचले पायदान पर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के अपने आप में कोई वोट बैंक तो था ही नहीं। इसलिए उन्हें नजरअंदाज किया जाता था। गांव के लोगों को बांटकर कई राजनीतिक दल अपनी दुकान चला रहे थे। भाजपा ने गांवों के साथ हो रहे इस अन्याय को भी समाप्त कर दिया है। हमारी सरकार ने गांवों के विकास के लिए तिजोरी खोल दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह में भाग लिया और देश भर की सभी ग्राम सभाओं और पंचायती राज संस्थाओं को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद देश की ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने और ग्रामीण जनता को समृद्धि की ओर ले जाने के लिए उनकी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की जानकारी दी। आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री पंचायत स्तर पर सार्वजनिक खरीद के लिए एकीकृत ई-ग्राम स्वराज और जीईएम पोर्टल का उद्घाटन करेंगे। ई-ग्राम स्वराज सरकारी ई-मार्केटप्लेस एकीकरण का उद्देश्य पंचायतों को ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए जीईएम के माध्यम से अपने सामानों और सेवाओं की विपणन में सक्षम बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल क्रांति के इस दौर में अब पंचायतों को भी स्मार्ट बनाया जा रहा है। आज ई-ग्राम स्वराज-जेम इंटीग्रेटेड पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। इससे पंचायतों के माध्यम से होने वाली खरीद की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद हमारी सरकार में 30 हजार पंचायती राज भवनों का निर्माण हुआ। देश की 2 लाख पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया। इसका फर्क आज साफ दिखता है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पीएम स्वामित्व योजना का भी उल्लेख किया।

पूर्वोत्तर और मणिपुर ने देश में खेल परंपरा को आगे ले जाने में अहम योगदान किया: प्रधानमंत्री मोदी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इम्फाल, मणिपुर में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर को वीडियो संदेश के माध्यम से सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर और मणिपुर ने देश में खेल परंपरा को आगे ले जाने में अहम योगदान किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर देश की सांस्कृतिक विविधता में नये रंग भरता है और देश की खेल विविधता को नये आयाम देता है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह देश के हर प्रतिभावान खिलाड़ी को बेहतर खेल अवसंरचना उपलब्ध कराये। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करने पर जोर दिया। खेलो इंडिया योजना का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना से निश्चित रूप से जिला स्तर पर खेल अवसंरचना में सुधार आया है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बीच गृहमंत्री अमित शाह विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

लखीमपुर खीरी कांड की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट संतुष्ट

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर खीरी कांड की सुनवाई की गति पर संतोष जताया है। कोर्ट ने इस मामले के आरोपित आशीष मिश्रा को मिली अंतरिम जमानत भी 11 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट से रोजाना सुनवाई को नहीं कह सकते हैं। इससे दूसरे केस पर असर पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 25 जनवरी को आशीष मिश्रा को 8 सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि जमानत मिलने के एक सप्ताह के भीतर यूपी छोड़ना होगा। कोर्ट ने कहा था कि आशीष मिश्रा यूपी या दिल्ली में नहीं रह सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए घटना से जुड़े दूसरे केस में बंद चार किसानों को भी अंतरिम जमानत दी थी, जिन पर घटना के बाद पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप है।

तमिलनाडु में शादी-बारात में परोसी जा सकेगी शराब

तमिलनाडु: तमिलनाडु में अब किसी भी प्राइवेट इवेंट, कॉन्फ्रेंस हॉल या स्पोर्ट्स स्टेडियम में शराब परोसी जा सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने खास तरह का लाइसेंस लेने की प्रक्रिया शुरू की है। लाइसेंस लेने के लिए 7 दिन पहले अप्लाई करना होगा। तमिलनाडु सरकार ने शराब के खास तरह के लाइसेंस को लेकर सूचना जारी की है। इसके नोटिफिकेशन के मुताबिक कनवेंशन सेंटर, मैरिज हॉल, स्पोर्ट्स स्टेडियम और घर के कार्यक्रमों में शराब परोसी जा सकेगी। बस इसके लिए होस्ट के पास स्पेशल लाइसेंस होना चाहिए। शराब के लिए मिलने वाला यह स्पेशल लाइसेंस आवेदन में निर्धारित समय सीमा के आधार पर ही वैलिड रहेगा। यह एक या कुछ दिनों के लिए ही वैलिड होगा। अलग-अलग जगह के हिसाब से लाइसेंस की फीस में भी अंतर होगा।

बंगाल के बीरभूम में साधु का शव मिला

बीरभूम: बंगाल के बीरभूम में एक साधु का शव पेड़ से लटका मिला है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हत्या है और इसे अतीक अहमद की हत्या का बदला लेने के लिए अंजाम दिया गया है। ये चरमपंथी संगठन का काम है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार को बीरभूम में काली मंदिर के बगल में पेड़ पर एक अघोरी की बॉडी मिली थी। साधु का नाम भुवन बाबा है। इस घटना के बाद सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को ईस्ट मिदनापुर के नंदीग्राम में एक सभा के दौरान कहा- सनातन का एक साधु मारा गया। यह डॉन अतीक अहमद की हत्या का बदला है। तृणमूल कांग्रेस एक परंपरा चला रही है, जिसका नाम है हैंगिंग बंगाल। ये लोगों को लटकाकर मारते हैं और ऐसा ही कुछ इस साधु के साथ भी हुआ।

महाराष्ट्र में आज गठबंधन, कल का पता नहीं: पवार

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई

महाराष्ट्र में एनसीपी के रुख से उद्धव ठाकरे की शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महा विकास अघाड़ी गठबंधन पर संकट दिख रहा है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अमरावती में कहा कि आज हम एमवीए का हिस्सा हैं और काम करने की इच्छा रखते हैं। लेकिन केवल इच्छा ही हमेशा पर्याप्त नहीं होती है। सीटों के बंटवारे, कोई समस्या है या नहीं इन सब पर अभी चर्चा नहीं हुई है। ऐसे में आज महाराष्ट्र में अघाड़ी है लेकिन कल का पता नहीं है। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि शरद पवार ने जो कुछ कहा है, वह महा विकास अघाड़ी पर उनकी निजी राय है। पवार साहब को जल्द ही पता चल जाएगा कि जिन लोगों को उनके ही लोगों ने छोड़ दिया है क्या वे वास्तव में एमवीए का नेतृत्व कर सकते हैं।

हमने मुस्लिम आरक्षण खत्म किया: शाह

टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरु

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बीच गृहमंत्री अमित शाह तीन दिन के दौरे पर रविवार रात बेंगलुरु पहुंचे थे। सोमवार को वे सबसे पहले मैसूरु गए और श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में पूजा की। इसके बाद वे चामराजनगर जिले के गुंडलुपे पहुंचे। उन्होंने यहां पहला रोड शो किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा- कांग्रेस आज भी तुष्टीकरण की राजनीति करती है। कांग्रेस सरकार ने जो 4% मुस्लिम रिजर्वेशन किया था, भाजपा ने उसे खत्म कर दिया। भाजपा ने लिंगायत ओबीसी, एससी और एसटी को बचाने का काम किया है। कांग्रेस अध्यक्ष कहते है कि हम अगर सत्ता में आएंगे तो मुस्लिम आरक्षण फिर से लाएंगे। कांग्रेस तुष्टीकरण से बाज नहीं आ रही। शाह दोपहर 3 बजे सकलेशपुर पहुंचे, वहां भी उन्होंने दूसरा रोड शो किया। कर्नाटक की भाजपा सरकार को 40% कमीशन वाला बताने पर शाह ने राहुल के आरोपों का जवाब दिया। शाह ने कहा- लोग इस तरह के निराधार आरोपों पर कैसे विश्वास करेंगे? न कोई केस न कोई जांच। उनके पास कोई ठोस सबूत है तो उन्हें कोर्ट जाना चाहिए।

कांग्रेस पर आरोप

= 4% मुस्लिम रिजर्वेशन कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति, भाजपा ने लिंगायत को बचाया: शाह

'केंद्र का 2-3 अरबपतियों पर फोकस'

टीम एक्शन इंडिया/बेलगावी

राहुल गांधी दो दिन के चुनावी दौरे पर कर्नाटक में हैं। उन्होंने सोमवार को बेलगावी के रामदुर्ग में रैली को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि आजकल सरकार का 2-3 अरबपतियों पर ही फोकस है, जबकि किसानों, मजदूरों और छोटे वेंडरों पर होना चाहिए। अरबपतियों को बैंक से लोन आसानी से मिल जाता है और अगर कुछ हो जाता है तो आसानी से माफ हो जाता है लेकिन किसानों का कर्ज कभी माफ नहीं होता। जीएसटी देश में सिर्फ अमीरों की मदद के लिए लागू किया गया है। इसमें पांच अलग-अलग तरह के टैक्स हैं। यह एक बहुत ही कठिन टैक्स स्ट्रक्चर है। आधे लोगों को यह भी समझ नहीं आता कि उन्हें इसे कब और कैसे फाइल करना है। बड़े बिजनेसमैन के पास अकाउंटेंट होते हैं, जबकि छोटे व्यवसायियों के पास नहीं हैं। तो, छोटे व्यवसाय बंद हो जाते हैं। जब हमारी सरकार दिल्ली में आएगी तो हम इस जीएसटी को बदल देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आयोजित पंचायती राज सम्मेलन में शामिल हुए। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

99% लोग सेम सेक्स मैरिज की मान्यता के खिलाफ

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सेम सेक्स मैरिज के मुद्दे को विधायी प्रक्रिया (संसद) पर छोड़ दिया जाए। बीसीआई के मुताबिक देश में 99% से ज्यादा लोग सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने के विरोध में हैं। ज्यादातर लोगों का मानना है कि याचिकाकर्ताओं के पक्ष में कोर्ट का कोई भी फैसला देश की संस्कृति और सामाजिक, धार्मिक ढांचे के खिलाफ माना जाएगा। बीसीआई ने कहा कि यह मामला बहुत नाजुक है। साथ ही काउंसिल ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि सेम सेक्स मैरिज के मुद्दे पर कोई लापरवाही न दिखाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट हाल में संवैधानिक सिद्धांतों के आधार पर सेम सेक्स कपल की शादी को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसी को लेकर बीसीआई ने 23 अप्रैल को सभी स्टेट बार काउंसिल के साथ एक संयुक्त बैठक की, जिसमें सेम सेक्स मैरिज के नुकसान पर चर्चा की गई।

बीसीआई की अपील

= याचिकाकर्ताओं के पक्ष में कोर्ट का कोई भी फैसला देश की संस्कृति और सामाजिक, धार्मिक ढांचे के खिलाफ माना जाएगा

'उप्र में न कर्फ्यू न दंगा, अब उप्र में सब ओर चंगा'

टीम एक्शन इंडिया/सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पार्टी का चुनाव प्रचार करने उतर पड़े हैं। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को सहारनपुर में पहली जनसभा की। इस दौरान उन्होंने निकायों में भाजपा को जिताने की अपील की, तो विपक्ष पर हमलावर भी दिखे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का सीमांत जनपद अपनी समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है। युवा, व्यापारी, उद्यमी, किसान का जनपद सहारनपुर है। मैं यहां बार-बार आता रहा हूं। मैंने सहारनपुर को नजदीक से देखा है। बिजली नहीं आती थी। दंगे होते थे। कनेक्टिविटी नहीं थी। लखनऊ की दूरी तय करने में आठ से 10 घंटे लगते थे। आज सहारनपुर विकास की चमक से चमकता है। दिल्ली अब यहां से दूर नहीं है। देहरादून अब दूर नहीं है। योगी ने कहा कि पहले डिग्री के लिए युवाओं को मेरठ जाना पड़ता था। अब युवाओं को यहां ही मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय से डिग्री मिलेगी। जीवन भर डिग्री पर मां शाकुम्भरी की फोटो उसके सफलता को आशीर्वाद देती रहेगी। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सहारनपुर उपेक्षित रहता था। क्योंकि यहां दंगे करवाए जाते थे। सिख भाइयों को दंगों की आग में झोंका जाता था। पहले शोहदों का आतंक था। बेटियां दूर पढ़ने जाती थीं। आज उत्तर प्रदेश में भयमुक्त वातावरण बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां चाह वहां राह, रास्ते खुद बनते जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, यहां मिला।

सीएम का दावा

= पहले शोहदों का आतंक था। बेटियां दूर पढ़ने जाती थीं। आज उत्तर प्रदेश में भयमुक्त वातावरण बना है: योगी

विनेश फोगाट समेत 8 पहलवान सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली/पानीपत

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना दूसरे दिन सोमवार को भी जारी है। विनेश फोगाट समेत 8 पहलवान सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। इन्होंने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अपील की है। पहलवानों ने हरियाणा की खाप पंचायतों से समर्थन मांगा है। उन्होंने खापों से माफी मांगते हुए कहा, 'पिछली बार हमसे भूल हो गई थी। आज हमें आप सभी की बहुत जरूरत है। हमारा साथ दीजिए।' सुबह बजरंग पूनिया ने कहा था कि इस मंच पर सभी राजनीतिक दलों का स्वागत है। हालांकि जनवरी में प्रदर्शन के दौरान मंच पर किसी भी राजनीतिक दल को परमिशन नहीं दी थी। इस बीच, इंडियन रेसलिंग फेडरेशन के 7 मई से होने वाले चुनाव रोक दिए गए हैं। ओलिंपिक्स एसोसिएशन चुनाव के लिए एक एग्जिक्यूटिव कमेटी बनाएगी।

मांग

= सांसद बृजभूषण पर एफआईआर की अपील, विवाद के बीच रेसलिंग फेडरेशन के चुनाव पर रोक

देश में 100 करोड़ लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को अबतक 100 करोड़ से ज्यादा लोग सुन चुके हैं। वहीं, 23 करोड़ लोग मन की बात कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनते। वहीं, देश के 96 प्रतिशत लोगों को इस कार्यक्रम की जानकारी है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), रोहतक द्वारा किए गए सर्वे की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। सोमवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और आईआईएम रोहतक ने मन की बात पर कराए गए सर्वे की रिपोर्ट को जारी किया।

'भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन मजबूत हो'

टीम एक्शन इंडिया/ कोलकाता/लखनऊ

2024 लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता को लेकर बिहार के सीएम नीतीश कुमार अपने डिप्टी तेजस्वी के साथ सोमवार को कोलकाता पहुंचे। दोनों ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से मुलाकात की। नीतीश ने कहा कि बातचीत पॉजिटिव रही। ममता ने कहा कि उन्हें भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के साथ जाने में कोई ईगो नहीं है। मैं चाहती हूं कि भाजपा अगले चुनाव में हीरो से जीरो बन जाए। मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नीतीश ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में सभी विपक्षी दलों का एक मंच पर आना बहुत जरूरी है। इसके लिए विपक्षी दलों को एक साथ बैठकर रणनीति बनानी होगी। ममता जी के साथ बातचीत अच्छी रही।

हम आगे भी अन्य पार्टियों को साथ में लाकर बातचीत करेंगे। नीतीश-तेजस्वी उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भी मिलेंगे। तीन नेताओं की मुलाकात 2024 लोकसभा चुनाव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि केंद्र में सरकार गठन के लिहाज से ये तीनों राज्य बहुत अहम हैं।

ममता बोलीं- मैं चाहती हूं कि भाजपा जीरो बन जाए:

मीडिया से बातचीत में ममता ने कहा- हम साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। हमें यह संदेश देना है कि हम सब एक साथ हैं। हमारा कोई व्यक्तिगत ईगो नहीं है, हम सामूहिक रूप से मिलकर काम करना चाहते हैं।

पल पल की खबर चारों तरफ 30 फीट ऊंची दीवारें, 680 कैदियों को रखने की कैपेसिटी, कमांडो का कड़ा पहरा

डिब्रूगढ़ जेल: अमृतपाल पर रखी जा रही नजर

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर

'वारिस पंजाब दे' के मुखी अमृतपाल सिंह को पंजाब में मोगा के गांव रोडे से रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। एनएसए लगे होने के कारण उसे रविवार दोपहर ही असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। 18 मार्च से फरार अमृतपाल को बठिंडा एयरपोर्ट से इंडियन एयरफोर्स के स्पेशल विमान में असम पहुंचाया गया, जहां से उसे डिब्रूगढ़ जेल बंद किया गया। डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल सिंह के पहुंचने से पहले 15 नए कैमरे लगाए गए, ताकि उस पर हर समय नजर रखी जा सके। इसी जेल में अमृतपाल सिंह के नो साथी पपलप्रीत सिंह, दलजीत सिंह कलसी, प्रधानमंत्री बाजेके, हरजीत सिंह, वरिंदर जोहल, बसंत सिंह, गुरमीत सिंह, कुलवंत धालीवाल, गुरिंदर पाल पहले से ही बंद है। अमृतपाल सिंह के भी डिब्रूगढ़ पहुंच जाने के बाद सभी के जहन में एक ही सवाल है- क्या है इस जेल में, जो अमृतपाल सिंह सहित 10 साथियों पर एनएसए लगा यहां भेजा गया है।

क्या खास है इस जेल में: डिब्रूगढ़ शहर के बीचों बीच असम ट्रंक रोड के पास फूल बागान इलाके में यह जेल स्थापित है। सेंट्रल जेल लगभग 76,203.19 वर्ग मीटर में फैली हुई है। साल 1859-60 से शुरू की गई इस जेल के मुख्य परिसर के चारों ओर करीब 30 फीट से ऊंची दीवारें बनी हुई हैं। यह दीवारें पहले इतनी ऊंची नहीं थी। दरअसल, जून 1991 में डिब्रूगढ़ जेल में बंद प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम के पांच चरमपंथी फरार हो गए थे। जिसके बाद इन दीवारों की ऊंचाई 30 फीट तक बढ़ाई गई। बीते फरवरी महीने से डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में कुल 445 कैदी बंद हैं, इनमें 430 पुरुष कैदी हैं और 15 महिला कैदी हैं।

जेल में कैदियों को रखने की कैपेसिटी 680 की है, लेकिन इसके बावजूद यहां 500 से अधिक कैदी नहीं हुए हैं। जेल में कुख्यात अपराधी, डकैत, अंडर ट्रायल कैदियों समेत उम्र कैद की सजा काट रहे कई बड़े अपराधी भी हैं। यहां चार वार्डों में सिर्फ महिला कैदी व हवालाती हैं।

अमृतपाल के साथी

= अमृतपाल सिंह के नो साथी पपलप्रीत सिंह, दलजीत सिंह कलसी, प्रधानमंत्री बाजेके, हरजीत सिंह को रखा गया है

विकास कार्यों को समय पर पूरा करें: नागर

विकास कार्यों में देरी होने पर अधिकारियों की जवाबदेही और ठेकेदारों पर पेनल्टी लगाने के दिए निर्देश

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)

तिगांव से विधायक राजेश नागर ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को अधिकारी समय पर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा विकास कार्यो को समय पर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करें अधिकारी: राजेश नागर । उन्होंने कहा कि यह विकास कार्य आम जनता के हित के लिए हैं और अगर वह समय पर पूरे होते हैं तो उससे लोगों को समय से सुविधाएं उपलब्ध हो जाती हैं। तिगांव विधानसभा क्षेत्र से एमएलए राजेश नागर तिगांव विधान सभा क्षेत्र की विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन बारे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दे रहे थे। उनके साथ उपायुक्त विक्रम सिंह भी मौजूद थे। विधायक राजेश नागर ने अधिकारियों को

विकास कार्यों में देरी होने पर जवाब देही देने और ठेकेदारों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं। समीक्षा बैठक में पीडब्लूडी बी एण्ड आर, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, कृषि विपणन बोर्ड,जिला विकास एवं पंचायत और पंचायती राज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बैठक में तिगांव विधान सभा क्षेत्र की सड़कों, कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई, पेयजल आपूर्ति और सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और अमृत सरोवरों के विकास कार्यों पर जोर देने के लिए कहा गया। मीटिंग में विधायक राजेश नागर ने क्रमशः पीडब्लूडी बी एण्ड आर, कृषि विपणन बोर्ड, जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, पंचायती राज विभाग सहित सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों से विभाग वार विकासात्मक

> 8 निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रहे कंस्ट्रक्शन मैटेरियल की जांच की ठीक प्रकार से करवा ली जाए

योजनाओं और परियोजनाओं की बारीकी से समीक्षा कर सम्बंधित विभाग के अधिकारीयों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सड़कों के निर्माण, जोहड़ों की गाद निकालने, गर्मी के मौसम के मद्देनजर बेहतर पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई तमाम व्यवस्थाएं और एसटीपी के क्रियान्वयन, अवैध कब्जे हटाने, मुख्यमंत्री की घोषणाओं को यथाशिघ्र शुरू करवाना और निर्धारित समय पर पूरा करना तथा बिजली सप्लाई से जुड़ी हुई लाइन तथा अन्य कार्य, सिवरेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग और अन्य मूलभूत विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकारीयों के साथ विभाग वार मंत्रणा की गई। समीक्षा बैठक में तिगांव विधान सभा क्षेत्र के विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए तथा ऑनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली को आधुनिक तौर-तरीकों के साथ विभागों तथा एजेंसियो से आपसी सहमति से करवाया जाने बारे बारिकी से चर्चा की गई। सड़कों, स्ट्रीट लाइटिंग, इल्क्ट्रीकल वर्क, रोड, फूटपाथ, ग्रील, अमृत सरोवरों सहित तमाम पहलुओं पर बारिकी से समीक्षा कर निर्माण कार्य के बेहतर क्रियान्वयन के लिए विस्तृत जानकारी लेकर समीक्षा की गई। अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा गया कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रहे कंस्ट्रक्शन मैटेरियल की जांच की ठीक प्रकार से करवा ली जाए। इस कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी।

विधायक सीमा त्रिखा ने सीवरेज लाइन तथा सी.सी. रोड़ बनाने के कार्य का किया शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)

सोमवार को एस.जी.एम नगर गली नं.1-2-3-5 नजदीक कावली गुरुद्वारा में सीवरेज लाइन तथा सी.सी. रोड़ बनाने के कार्य का शुभारंभ स्थानीय लोगों एवं विधायक सीमा त्रिखा ने गुरूद्वारे में अरदास करके किया। आपको बता दें कि सीएम अनाउंसमेंट संख्या 25284 के तहत होने वाले इस कार्य की लागत लगभग 20 लाख है। इस कार्य के शुभारंभ होने के अवसर पर विधायिका सीमा त्रिखा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि इस सड़क से हजारों आने जाने वाले लोगों का भला होगा। पिछले लंबे समय से यहां पर स्थानीय लोगों द्वारा सीवरेज लाइन डाले जाने की मांग की जा रही थी। एसजीएम नगर का यह क्षेत्र लगभग 40 वर्ष पुराना बसा हुआ है, मगर आज तक लोग सीवरेज व्यवस्था से महरूम थे। आज विधायक

श्रीमती सीमा त्रिखा ने लोगों की सीवर और सड़क की मांग को पूरा करते हुए गुरुद्वारा में माथा टेकते हुए स्थानीय लोगों के कर कमलों द्वारा इसका उद्घाटन कराया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार क्षेत्र के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए कार्य कर रही है। पूरे प्रदेश में एक समान रूप से कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्र में सुधारीकरण के लिए बुनियादी रूप से कार्य किए जा रहे हैं। बडखल विधानसभा क्षेत्र में बडखल झील का कार्य तेजी से प्रगति पर है और जल्द ही बडखल झील भरने का सपना पूरा होगा। उन्होंने कहा कि बडखल झील को भरने से फरीदाबाद को एक नया स्वरूप मिलेगा। जो ऐतिहासिक बडखल झील कभी पूरे भारतवर्ष के लोगों का आकर्षण का केन्द्र हुआ करती थी, वह अब फिर एक बार पानी से सराबोर होगी। उन्होने कहा कि क्षेत्र की जनता ने मुझे काम करने का जो आशीर्वाद दिया, उसमें कोई कमी बाकी नहीं छोड़ी जाएगी।

छात्र के साथ कुकर्म करने के दोषी को उम्रकैद की सजा

सोनीपतः खरखौदा थाना क्षेत्र में छात्र के साथ कुकर्म करने के आरोपित स्कूल कर्मी को अदालत ने दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह की अदालत ने दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 1.30 लाख रुपये जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि से एक लाख रुपये की राशि पीड़ित को देने के आदेश अदालत ने दिए है। वहीं जुमार्ना राशि अदा न करने पर दोषी को 41 माह अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। छात्र के पिता ने 17 नवंबर, 2021 को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक को को शिकायत दी थी कि उनका 14 वर्षीय बेटा खरखौदा थाना क्षेत्र के एक स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ता था और हॉस्टल में रहता था। उनके बेटे ने दो माह पहले ही उसे स्कूल से निकालने को कहा था। उनके बेटे ने स्कूल छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया था। उन्होंने बेटे के कहने पर स्कूल से उसका दाखिला रद्द करा दिया था। उसे दूसरे स्कूल में दाखिल करा दिया था।

उमेश भाटी के नेतृत्व में भारी संख्या में महिलाओं ने जेजेपी का दामन थामा

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)

अशोका एंक्लेव स्थित जन नायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और तिगांव विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी उमेश भाटी के कार्यालय पर सोमवार को सैकड़ों की संख्या में विधानसभा से महिलाओं ने जेजेपी पार्टी का दामन थाम लिया जन नायक जनता पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर शामिल हुई महिलाओं को प्रदेश प्रवक्ता उमेश भाटी जी ने पार्टी पतका पहनकर जेजेपी पार्टी में शामिल करवाया इस मौके पर उमेश भाटी ने कहा की लगातार तिगांव विधानसभा से लोगों

का पार्टी में शामिल होने का सिलसिला जारी हैं हरियाणा सरकार की लाभकारी नीतियां लोगों को काफी लाभान्वित कर रही है डिप्टी सीएम श्री दुष्यंत चौटाला जी लगातार चुनावी वादों को पूरा करने में लगे हुए है बुढ़ापा पेंशन हो या फिर बेरोजगार युवाओं को नौकरी देनी हो , डिप्टी सीएम श्री दुष्यंत चौटाला जी अपने वादों पर धीरे धीरे अमली जामा पहनाने का काम कर रहे है यही कारण है की मिडिल क्लास फैमिली जेजेपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजय चौटाला जी और भाई

> 8 उमेश भाटी के कार्यालय पर सैकड़ों की संख्या में विधानसभा से महिलाओं ने जेजेपी पार्टी का दामन थामा

दिग्विजय चौटाला की कार्यशैली और डिप्टी सीएम श्री दुष्यंत चौटाला जी के द्वारा धरातल पर आम जनता के लिए विकास नितियों को लागु करना जनता को काफी पसंद आ रहा है और लोग पार्टी में शामिल होकर आने वाले विधानसभा चुनावों में डिप्टी सीएम श्री दुष्यंत चौटाला जी को हरियाणां के सीएम के रूप में देख रहे हैं।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित तीन गिरफ्तार, अदालत में पेश

सोनीपतः सीआईए-1 स्टाफ सोनीपत पुलिस ने दिल्ली से चोरी की मोटरसाइकिल सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित ध्रुव निवासी सुंदर सांवरी, सचिन निवासी गोरड़ व कर्मबीर निवासी सिटावली का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जांच अधिकारी आजाद ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान दिवान पैलेस सेक्टर-7 मोड़ बहालगढ़ रोड पर मौजूद थी।

दो दिन की छुट्टी के बाद अस्पताल में लगी मरीजों की लंबी लाइनें

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत

नागरिक अस्पताल में दो दिन की छुट्टी के बाद रजिस्ट्रेशन काउंटर व ओपीडी में मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिली। अस्पताल में पहुंचने वाले मरीज व उनके परिजन लापरवाही बरतते नजर आए। ओपीडी व रजिस्ट्रेशन काउंटर पर ज्यादातर मरीज बिना मास्क के नजर आएं। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से परिसर में आने वाले मरीज व उनके परिजनों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य किया हुआ है। जिसकी तरफ लोग ध्यान नहीं दे रहे है। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से अस्पताल में रेबिज का इंजेक्शन मुहैया नहीं करवाय जा रहा है। जिसके चलते मरीजों को मजबूरन मेडिकल स्टोर से इंजेक्शन खरीदना पड़ रहा है। बता दें कि बदलते मौसम का असर देखने को मिलने लगा है। अस्पताल में मरीजों की ओपीडी संख्या बढ़ने लगी है। मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल में वायरल बुखार के ज्यादा मरीज पहुंच रहे है। शनिवार व रविवार को अवकाश होने के चलते अस्पताल में ओपीडी बंद थी। जिसके चलते सोमवार को अस्पताल में मरीजों की ज्यादा भीड़ देखने को मिली। सोमवार को ओपीडी रजिस्ट्रेशन की संख्या 1900 के करीब पहुंच गई। जिसमें बुखार, खांसी, जुकाम, सिर दर्द के मरीजों की संख्या ज्यादा थी। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से अस्पताल में तैनात स्टाफ, आने वाले मरीज व उनके परिजनों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य किया हुआ है। लेकिन लोग लापरवाही बरते हुए नियमों को नहीं मान रहे है। सोमवार को भीड़ होने के बावजूद अस्पताल में बिना मास्क के लोग नजर आएं। वहीं जिले में मौजूदा समय में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिले के नागरिक अस्पताल में रेबिज के इंजेक्शन की एक डोज 100 रुपये लगाई जाती है। जबकि महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में खानपुर में फ्री में लगाई जाती है। वहीं घायलों को राजधानी दिल्ली तक जाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। राजधानी दिल्ली में रेबिज के इंजेक्शन की डोज फ्री में मुहैया करवाई जाती है। नागरिक अस्पताल में एक माह से इंजेक्शन खत्म होने के चलते घायलों को मेडिकल स्टोर से 350 रुपये खरीदकर इंजेक्शन की डोज लगवाने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

शोध सुविधाओं को उन्नत बनाने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय को मिला केन्द्रीय अनुदान

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की प्रतिष्ठित 'विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स) योजना के अंतर्गत शोध अनुदान प्रदान किया। योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को अनुसंधान की ढांचागत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 7 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुसंधान उत्सव-2023 के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने अनुदान प्राप्त

किया। पर्स योजना के अंतर्गत देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों को वैज्ञानिक विकास के लिए अपने अनुसंधान ढांचे में सुधार के लिए अनुदान दिया जाता है। विश्वविद्यालय को दी जाने वाली यह एक प्रोत्साहन अनुदान योजना है जोकि विश्वविद्यालयों की शोध व्यवस्था में सुधार को लेकर केन्द्रित है। जे.सी. विश्वविद्यालय का चयन देश के उन 12 चुनिंदा विश्वविद्यालय में हुआ है, जिन्होंने वर्ष 2022 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विशेष आह्वान पर पर्स अनुदान के लिए आवेदन किया था। विश्वविद्यालय का चयन केन्द्र की प्रतिष्ठित अनुदान योजना के अंतर्गत होने पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धी अनुदान के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय का चयन के लिए गर्व का विषय है जोकि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण और अनुसंधान में किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण कार्यों को दशार्ता है।

एनएसएस द्वारा आयोजित शिविर में 38 स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि रक्तदान किसी दूसरे का जीवन बचाने का पुनीत प्रयास है। रक्तदान के लिए निसंकोच आगे आना चाहिए। यह मानवता की भावना से किया गया महा दान है। वह सोमवार को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित शिविर में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर दुधौला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर में 38 स्वयंसेवकों और स्टाफ के सदस्यों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में छात्राएं भी शामिल हैं। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने रक्तदाताओं और साप्ताहिक एनएसएस शिविर में सेवा कार्य करने वाले सभी 78 स्वयंसेवकों की पीठ थपथपाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयं से पहले आप की भावना से काम करता है। इसलिए हमें दूसरों के लिए भाव रखना चाहिए। कुलपति डॉ. राज नेहरू

ने विद्यार्थियों को संस्कारों के बारे में गहन जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि चरण स्पर्श करने से लेकर तालियां बजाने तक की सारी प्रक्रियाएं हमारे संस्कार और शारीरिक अवस्थाओं के लिए उपयोगी हैं। डॉ. राज नेहरू ने कहा कि समाज के प्रति हम जितना भी योगदान दे सकते हैं, हमें बढ़-चढ़कर प्रयास करने चाहिएं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आर एस राठौड़ ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता और पर्यावरण के विषय में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हमें प्लास्टिक को अपने परिवेश से बाहर करने के प्रयास करने चाहिए। प्रो. आर एस राठौड़ ने कहा कि प्लास्टिक हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा खतरा है। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रीति ने मंच संचालन करते हुए शिविर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जबकि कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नकुल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि साप्ताहिक शिविर में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान चलाया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। डॉ. नकुल ने बताया कि रेड क्रॉस की ओर से सभी स्वयंसेवकों को शिविर में प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके लिए योग स्किल इंस्ट्रक्टर सोहनलाल ने स्वयंसेवकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. सविता शर्मा ने शिविर के समापन पर पहुंचे अतिथिगण का स्वागत किया। डीन प्रो. सुरेश कुमार ने मंच पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। इससे पूर्व हर्ष और आयुष अरोड़ा ने गीत प्रस्तुत कर तालियां बटोरी। अनंत ने कविता प्रस्तुत कर सराहना अर्जित की। सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर एनएसएस गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी संजीव तायल, उप कुलसचिव डॉ. ललित शर्मा और जेई नरेश संधू भी उपस्थित थे।

जनकल्याण सेवा संगठन ने बुजुर्ग महिला को ट्राईसाईकिल भेंट की

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)

सामाजिक संस्था जन कल्याण सेवा संगठन द्वारा डबुआ कालोनी निवासी 55 वर्षीय बुजुर्ग महिला जिनके दोनों पैर खराब है उन्हें ट्राईसाईकिल भेंट की।

संस्था के अध्यक्ष राजकुमार मामोरिया ने बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति ने सूचना दी कि एक बुजुर्ग दिव्यांग महिला है। जिन्हें ट्राईसाईकिल की बेहद आवश्यकता है। जिसके बाद संस्था की टीम बुजुर्ग महिला के घर पहुंची और जांच पड़ताल कर आज उन्हें ट्राईसाईकिल भेंट की।

इस मौके पर गुलशन कथूरिया, जे.एस. मामोरिया, पंकज पाराशर, राजकुमार मामोरिया, अशोक कुमार

मामोरिया, मयंक मामोरिया, प्रवीन कुमार, पवन रावत, तरुण गुप्ता, हितेश कुमार, कैलाश शर्मा, दिनेश मिश्रा, मुनीर अहमद, गोपाल शर्मा, सोनी भाई, अनित ठाकुर, मुकेश सक्सेना, पिंटू राजपूत, जीतू भाई मौजूद थे। इस मौके पर बुजुर्ग महिला व उनके परिजनों ने जन कल्याण सेवा संगठन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

गाडियों के साइलेंसर/बैटरी चोरी करने वाले दो आरोपी काबू

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)। डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशा निर्देश के तह कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सैन्ट्रल की टीम ने गाडियों के साइलेंसर/बैटरी चोरी करने वाले गिरोह के दो और आरोपियो को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियो में जितेन्द्र उर्फ जीतू और सुमोद कुमार का नाम शामिल है। आरोपी जितेन्द्र सेक्टर-22/23 का तथा आरोपी सुमोद कुमार संजय कॉलोनी का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने दोनों आरोपियो को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से सेक्टर-22/23 से गिरफ्तार किया गया है आरोपियो के तीसरे साथी सुधीर को पहले ही थाना आदर्श नगर के एरिया से अवैध हथियार सहित गिरफ्तरा किया था। आरोपी से पूछताछ में 9 मामलो का खुलासा हुआ था। जिसमे आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथियो के साथ थाना आदर्श नगर,शहर बल्लबगढ़, डबुआ, छांयसा, तथा बीपीटीपी में 1-1 वारदात को तथा थाना सदर बल्लबगढ़ एवं सैन्ट्रल में 2-2 वारदातों को अनजाम दिया था। आरोपी से पूछताछ में 88000/-रु बरामद कर जेल भेज दिया था तथा अन्य 2 आरोपियो के नाम सामने आए थे जिन्हे क्राइम ब्रांच टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियो से चोरी के 8 मामलो का खुलासा हुआ है।

निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से एचसीएस परीक्षा का करे संचालन: डॉ. पवन कुमार

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद (हरपाल सिंह यादव)

हरियाणा राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. पवन कुमार ने सोमवार को सेक्टर-12 लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला में 21 मई को आयोजित होने वाली हरियाणा सिविल सर्विसेज (एग्जीक्यूटिव व अलाइड सर्विसेज) परीक्षा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की मीटिंग ली। मीटिंग में उन्होंने निर्देश दिए कि हरियाणा की इस सबसे बड़ी परीक्षा को हमें पूर्ण पारदर्शिता व बेहतरीन ढंग से आयोजित करना है। उन्होंने परीक्षा को निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से सफल संचालन के लिए अधिकारियों को टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के मद्देनजर संबंधित अधिकारी पूरी तरह सजग एवं सतर्क रहेंगे तभी परीक्षा को निष्पक्ष तरीके से पूर्ण पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर मूलभूत सुविधाएं, बिजली, पंखे, जैमर, पेयजल, शौचालय और साफ सफाई सहित अन्य उचित व्यवस्था के प्रबंध बारे भी अधिकारी ध्यान रखें और सुरक्षा के दृष्टिगत ऐसी कोई भी

परीक्षा सहयोगी सामग्री जो आपत्तिजनक है उसको केंद्र में अंदर जाने ना दें। यदि स्कूलों के अन्दर वाल पेंटिंग या ब्लैक बार्ड आदि पर ऐसी सामग्री लिखी गई या पेंटिंग की गई है तो उस पर कागज चस्पा करना सुनिश्चित करें। बिना आईडी कार्ड के किसी को भी परीक्षा केंद्र के नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश का सबसे बड़ा एग्जाम है और हमें इसे पूर्ण रूप से नकल रहित संपन्न करवाना है। इसलिए सभी इंतजाम सही ढंग से किए जाएं। जिला शिक्षा अधिकारी व संबंधित नोडल अधिकारी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अगर समय से हमें जानकारी होगी तो कमियों को पहले ही दूर किया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने आम जनता से भी अपील करते हुए कहा कि परीक्षा के दिन वह कम से कम घरों से बाहर निकले ताकि बड़ी संख्या में दूसरे जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों को किसी तरह की ट्रैफिक जाम जैसी समस्या से न जूझना पड़े। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए विशेष प्लान तैयार करें। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट स्टेशन जी की दुकानों को पूरी तरह से बंद रखें इसके अलावा होटलों को भी उस दिन बंद रखा जाए। उन्होंने पार्किंग की व्यवस्था भी सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास बेहतरीन ढंग से करने के निर्देश दिए। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि अधिकारी आपस में तालमेल करके एचसीएस परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने में पूरी सजगता से ड्यूटी दें। उन्होंने कहा कि सरकार और हरियाणा लोक सेवा आयोग का सहयोग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिला फरीदाबाद में एचसीएच परीक्षा संचालन के लिए प्रशासन सजग एवं सतर्क है। उन्होंने कहा कि जिला में होने वाली एचसीएस परीक्षा के लिए पिछली बार 99 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे और इस बार भी इतनी ही संख्या रखे जाने का अनुमान है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अब तक 59 परीक्षा केंद्रों को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है और बाकी से भी बातचीत चल रही है और इनकी संख्या बढ़ाई भी जा रही है। परीक्षा केंद्रो में केवल ड्यूटी देने वाले अधिकारी अन्दर जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा लोक सेवा आयोग/एचपीएससी परीक्षा की तैयारियों को प्रशासन ने पूरी सजगता एवं सतर्कता के साथ कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। जिला में एचसीएस की प्रारंभिक परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण तरीके से करवाई जाएंगी। बैठक के उपरान्त एचपीएससी सदस्य डॉ. पवन कुमार ने सेंट थॉमस स्कूल, सेक्टर-8, सेंट जोन स्कूल सेक्टर- 7, डीसी मॉडल स्कूल सेक्टर-9, डिवाइन पब्लिक स्कूल सेक्टर- 9, नवजीवन स्कूल सेक्टर-10 और डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-14 का निरिक्षण किया।

इस दौरान परीक्षा के नोडल अधिकारी व एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोकचंद, सीटीएम अमित मान, एसीपी महेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी मनीष चौधरी सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सीएम ने किया एसडीआरएफ मुख्यालय का लोकार्पण

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने सोमवार को जौलीग्रान्ट में नवनिर्मित एसडीआरएफ मुख्यालय और फायर स्टेशन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एसडीआरएफ के जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया।
कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की कि एसडीआरएफ ने 11 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर किये जाने वाले रेस्क्यू कार्यों के लिए अन्य अर्धसैनिक बलों की तर्ज पर एसडीआरएफ में कार्य करने वाले राजपत्रित अधिकारियों को 1500 रुपये और अराजपत्रित अधिकारियों और कर्मचारियों को 1000 रुपये प्रतिदिन जोखिम भत्ता प्रदान किया जाएगा। आपदा प्रबन्धन में महिलाओं की

भागीदारी को बढ़ाए जाने के उद्देश्य से एसडीआरएफ की छठी कम्पनी गठित की जाएगी, जिसमें प्राथमिकता के आधार पर एक-तिहाई महिला कार्मिकों की नियुक्ति की जाएगी। एसडीआरएफ में प्रतिनियुक्ति की समयावधि 07 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष की जाएगी। मुख्यमंत्री धामी ने नवनिर्मित एसडीआरएफ ट्रेनिंग सेंटर और वाहिनी मुख्यालय के लोकार्पण के अवसर पर एसडीआरएफ की टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए हर्ष का विषय है कि मुझे एसडीआरएफ के इस नवनिर्मित मुख्यालय को आज प्रदेश को समर्पित करने का मौका मिल रहा है। लगभग 144.43 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एसडीआरएफ के मुख्यालय में प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन की दृष्टि से अन्य गतिविधियां भी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में हमारे पुलिस के जवान मोर्चा संभालते हैं और लोगों की जान बचाने के लिए आगे आते हैं। राज्य में 2013 में एसडीआरएफ के गठन से ही एसडीआरएफ ने आपदा के समय देवभूमि में समय-समय पर अनुकरणीय एवं प्रभावी कार्य किए है। गठन से अब तक एसडीआरएफ ने तीन हजार से अधिक रेस्क्यू ऑपरेशनों में बारह हजार से अधिक घायलों का सफल रेस्क्यू किया गया। विषम परिस्थितियों में करीब दो हजार शवों को रिकवर भी किया गया। एसडीआरएफ उत्तराखंड ने अपनी कार्यकुशलता और रेस्क्यू दक्षता के चलते राज्य के आम जनमानस के साथ-साथ प्रतिवर्ष धार्मिक, आध्यात्मिक और साहसिक पर्यटन के लिए राज्य में आने वाले लाखों लोगों के मन मस्तिष्क में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि एसडीआरएफ के मुख्यालय बनने से यहां पर जवानों को प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हमारा हिमालयी क्षेत्र आपदा प्रभावित क्षेत्र होने के कारण एसडीआरएफ को सशक्त बनाना जरूरी है। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखंड में एसडीआरएफ के गठन से ही सराहनीय कार्य कर रहा है। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि एसडीआरएफ की 05 कंपनियां कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 39 स्थानों पर एसडीआरएफ की टीमें व्यवस्थित की गई हैं।

हंस फाउंडेशन ने वितरित कीं उत्तर पुस्तिकाएं

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
हंस फाउंडेशन की ओर से हरि चन्द गुप्ता आदर्श बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं को उत्तर पुस्तिकाएं बांटी गईं। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व प्रधानाचार्य डीबीपीएस रावत और व्यापारी नेता राजेश भट्ट का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।
सोमवार को हंस फाउंडेशन के तत्वाधान में भोले महाराज और मंगला माता के आशीर्वाद से स्कूल की छात्राओं को उनके अध्ययन के लिए उत्तर पुस्तिकाएं वितरित की गईं। स्कूल की प्रधानाध्यापिका पूनम शर्मा ने छात्राओं के लिए शैक्षणिक सामग्री में सहयोग के लिए हंस कल्चरल संस्थान का आभार जताया।
उन्होंने हंस फाउंडेशन के इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए पूर्व प्रधानाचार्य डीबीपीएस रावत और व्यापारी नेता राजेश भट्ट की भी सराहना की। इससे पूर्व विद्यालय पहुंचे दोनों अतिथियों के स्वागत में छात्राओं ने बेहद खूबसूरत मांगल गीत प्रस्तुत किया।
इस दौरान विद्यालय की तमाम शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

8 कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व प्रधानाचार्य डीबीपीएस रावत और व्यापारी नेता राजेश भट्ट का महत्वपूर्ण सहयोग रहा

संक्षिप्त खबरें

ब्राह्मण संगठनों ने दिया परशुराम चौक को लेकर ज्ञापन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राजधानी के ग्यारह ब्राह्मण घटक संगठनों के प्रतिनिधि संगठन ब्राह्मण समाज महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने आज राजधानी में भगवान श्री परशुराम चौक की मांग को लेकर एक ज्ञापन महापौर सुनील उनियाल गामा को सौंपा।
ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के तीस लाख ब्राह्मण बंधुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए भगवान श्रीविष्णु जी के अवतार परशुराम जी के सम्मान में राजधानी में परशुराम चौक की स्थापना की जाए। महापौर सुनील उनियाल गामा जी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि वे उक्त मांग को पूर्ण कराने का प्रयास करेंगे।
प्रतिनिधि मंडल ने मांगपत्र में निरंजनपुर मंडी समिति के चौराहे को परशुराम चौक करने का सुझाव रखा है। ज्ञापन देने से पूर्व महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने महापौर का अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया।
प्रतिनिधि मंडल में ब्राह्मण समाज महासंघ के संरक्षक पंडित लालचंद शर्मा, अध्यक्ष प्रमोद मेहता, महामंत्री शशि शर्मा, डा. वी डी शर्मा, पंडित राम प्रसाद गौतम, थानेश्वर उपाध्याय, मनमोहन शर्मा, राजकुमार शर्मा, रूपचंद शर्मा, प्रभात डंडरियाल, आदि शामिल थे।

मांगें न मानने पर डिप्लोमा फार्मासिस्टों ने काला फीता बांधकर जताया विरोध

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तराखंड के आह्वान पर चमोली जिले के डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने सोमवार को अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर बांह पर काला फीता बांध कर विरोध जताया।
एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप गैरोला ने बताया कि उनका एसोसिएशन एक लंबे समय से सरकार से पत्राचार और वार्ता करता आ रहा है, लेकिन उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसलिए प्रांतीय संगठन ने अब आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से चलाने का मन बनाया है। इसी कड़ी में सोमवार को प्रथम चरण में बांह पर काला फीता बांध कर आंदोलन की शुरूआत की गई है। चमोली के डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने बांह बांध कर आंदोलन करते हुए कार्य किया।
उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से फार्मासिस्टों के सेवा नियमावली, पुरानी पेंशन बहाली, फार्मासिस्टों के पदनाम परिवर्तन करने सहित अन्य मांगों को पूरा करने मांग सरकार के सामने रखी है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही आंदोलन का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर मोहन राम आर्य, रमेश, कुलदीप कोठियाल, जगदीश, संजय, रितु, देवेंद्र कोहली आदि मौजूद थे।

ईजमायट्रिप ने ईजी समर सेल से तपती गर्मी में दी राहत

देहरादून। भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवेल टेक प्लेमटफॉर्म्स में से एक ईजमायट्रिपडॉटकॉम अपनी ईजी समर सेल को लॉन्च किया है, जिसमें यात्रियों के लिये खासकर गर्मी की छुट्टियों के लिये तैयार किये गये ऑफर्स हैं। ट्रैवेल सेल्स और डिस्काउंट्स की यह शानदार पेशकश 24 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2023 तक एक्टिव रहेगी। ग्राहक और यात्रा करने के शौकीन लोग ईजमायट्रिप की वेबसाइट तथा ऐप पर सेल की अवधि के दौरान बुक किये गये फ्लाइट्स, होटल्स बसेस, कैब्स , क्रूजेस और हॉलीडे पैकेजेस पर बड़ी छूट वाले ऑफर्स का फायदा ले सकते हैं। ग्राहक ईजमायट्रिप के भरोसेमंद हॉलीडे पैकेज भी ले सकते हैं, जिनके दाम सिर्फ 15,999 रुपए से शुरू हैं। समुद्र प्रेमियों के लिये शानदार क्रूज पैकेज 53,999 रुपए से शुरू होकर उपलब्ध हैं। छूट पाने के लिये यूजर्स अपने पसंदीदा गंतव्यस के लिये फ्लाइट, होटल, बस, कैब, क्रूज या हॉलीडेज बुक कर सकते हैं और कूपन कोड ईएमटीसमर का इस्तेमाल कर पेमेंट कर सकते हैं। इसके अलावा, अपनी बुकिंग्स के लिये आरबीएल बैंक क्रेडिट कार्ड और एयू क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक 25 से 27 अप्रैल, 2023 तक अतिरिक्त छूट पा सकेंगे। ईजमायट्रिप के सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी ने कहा कि तपती गर्मी से भारत में यात्रा का उत्साह फीका नहीं पड़ना चाहिये। ईजमायट्रिअप में हम समझते हैं कि यात्रा का मतलब किसी जगह के इतिहास, संस्कृति और परंपरा पर शिक्षित होने से है और हम चाहते हैं कि इस गर्मी हर भारतीय यात्रा करे और देश के एक नये हिस्से को जाने।

पाठ्यक्रम बदलाव पर विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल को चिट्ठी के माध्यम से घेरा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
एक बार फिर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ दल को घेरने का प्रयास किया है। सोमवार को भेजी गई चिट्ठी में पाठ्यक्रमों के बदलाव को मुद्दा बनाया गया है। विपक्षी दलों ने भेजी गई चिट्ठी में कहा है कि कुछ पाठ्यक्रमों में भारत के इतिहास को संशोधित करने की बात कही जा रही है। इतिहास से सबक सीखा जाता है, इतिहास प्रेरणा देता है। इतिहास का ज्ञान हमें हमारे अतीत के संघर्षों को याद दिलाते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। इतिहास को किताबों से मिटा देने या तारीखों में हेरफेर करने से इतिहास और उसके नायकों - खलनायकों पर तो कोई असर नहीं पड़ेगा अपितु देश में अल्पशिक्षित-अंधभक्त तैयार होंगे।

कार्बन मुक्त उत्तराखंड के मंत्र पर काम रही है सरकार : डा.धन सिंह रावत

8 इसके लिए प्रदेश भर के स्कूलों में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाने में विभाग सहयोग करेगा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टीबी और साक्षर मुक्त के साथ कार्बन मुक्त उत्तराखंड के मंत्र पर राज्य सरकार काम कर रही है। इसके लिए प्रदेश भर के स्कूलों में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाने में विभाग सहयोग करेगा। सोमवार को आईआईपी में शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री डा.धन सिंह रावत ने सक्षम-2023 के उद्घाटन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि यह बातें कहीं। इस मौके पर आईआईपी के निदेशक अंजन राय ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।
शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री ने डा.रावत ने कहा कि उत्सर्जन में नेट जीरो के लक्ष्य के मुहिम पर केन्द्र सरकार काम रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रदेश के स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के साथ नेट जीरो मुहिम के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। उत्तराखंड सरकार 2024 तक टीबी मुक्त,साक्षर मुक्त और पर्यावरण मुक्त उत्तराखंड के मंत्र को लेकर काम कर रही है।
उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को कार्बन मुक्त 2030 तक बनाने के लक्ष्य पर सरकार काम करेगी। पर्यावरण की दृष्टि से उत्तराखंड को सबसे अग्रणी राज्य बनाना सरकार का लक्ष्य है।
मंत्री ने कहा कि हर कॉलेज को ग्रीन कैम्पस बनाएंगे। इसी के तहत साथ नशा मुक्त प्रदेश के तहत अभी तक 72 सौ स्कूल को नशा मुक्त के तहत तम्बाकू मुक्त का सर्टिफिकेट दिया गया है।
उन्होंने कहा कि पहले पेट्रोलियम मंत्रालय खास वर्ग के लिए था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आने के बाद अब ये मंत्रालय आम वर्ग के लिए बन गया। उज्ज्वला योजना के अलावा पाइप लाइन से सीधे गैस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने ने ऊर्जा संरक्षण के लिए नए उपायों और पहलों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि ह्चूंकि पारंपरिक ऊर्जा स्रोत भविष्य में समाप्त हो जाएंगे, इसलिए यह आवश्यक है कि हमें पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए। देश की प्रगति के लिए दुर्लभ संसाधनों को लंबे समय तक चलाने के लिए हमारी गतिविधियों में सभी क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया है।
इस मौके पर विशिष्ट अतिथि आईआईपी के निदेशक अंजन राय ने वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने में जनजागरुकता जरूरी है।

गूलर में कार खाई में गिरी, दो सगे भाइयों की मौत

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
थाना मुनि की रेती क्षेत्र अंतर्गत गूलर में एक कार अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें दो सगे भाइयों की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि कार में ही सवार दादा-पोती गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में कुल 4 लोग सवार थे।
थाना मुनि की रेती प्रभारी रितेश शाह ने बताया सोमवार की सुबह कंट्रोल रूम से मुनि की रेती पुलिस को सूचना मिली कि गूलर से पावकी देवी जाने वाली सड़क पर एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई है। इस पर गूलर से पुलिस घटनास्थल पर पहुंचें और घायलों को कार के अंदर से बाहर निकाल कर सड़क तक ले लाई।

इस दौरान एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने सभी घायलों को 108 आपातकालीन एंबुलेंस से एम्स भेजा। रास्ते में दूसरे युवक ने भी गंभीर अवस्था में दम तोड़ दिया। मुनी की रेती थाने के एसएसआई राजेश बिष्ट ने बताया कि मृतकों की पहचान विकास और अमित चौहान पुत्र सूरत सिंह निवासी पट्टी दोगी, थाना मुनि की रेती के रूप में हुई है। इसमें विकास बड़ा भाई और अमित को छोटा बताया गया है।

स्कूटी सवार से तीन लाख रुपये की स्मैक बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
बिल्कुल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक स्कूटी सवार स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से तीन लाख रुपये कीमत की स्मैक बरामद की है।पुलिस कप्तान के पीआरओ विपिन पाठक ने बताया कि सिडकुल पुलिस ने डैन्सो चौक से स्कूटी सवार संदीप कुमार को स्मैक के साथ दबोचा है। आरोपित के पास से 20 ग्राम स्मैक बरामद की गई है, जिसकी बाजार कीमत तीन लाख रुपयेबताई गई है। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

आपात स्थिति में चारधाम यात्री किए जाएंगे एयरलिफ्ट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दौरान आपात स्थिति में तीर्थ यात्रियों को एयरलिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए सभी जनपदों के जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। चारधाम यात्रा में 29 विशेषज्ञ चिकित्सक और 182 चिकित्सक तैनात किए गए हैं। यात्रा मार्गों पर 48 स्थाई और 23 अस्थाई चिकित्सा इकाई क्रियाशील हैं।
यह जानकारी चिकित्सा स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने दी। उन्होंने बताया कि विगत दिनों यमुनोत्री में हृदय गति रुकने से दो तीर्थ यात्रियों की मृत्यु हो गई थी, जिसको देखते हुए उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और

चमोली के जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है।
अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तीर्थ यात्रियों को तत्काल एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश और राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून, श्रीनगर पहुंचाया जाए, ताकि समय रहते यात्रियों को गंभीर हालत में विशेषज्ञ चिकित्सकों का बेहतर उपचार दिया जा सके।
उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा मार्गों पर 48 स्थाई चिकित्सा इकाई और 23 अस्थाई चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है, जहां पर 29 विशेषज्ञ चिकित्सक एवं 182 चिकित्साधिकारी तैनात किये गये हैं। 95 पीओसीटी डिवाइसेज उपलब्ध कराई गई हैं जोकि ईसीजी के साथ ही आक्सीजन लेवल की भी जांच कर सकेंगे। इसके अलावा 272 पैरामेडिकल स्टॉफ की तैनाती की गई है, जिनमें 182 स्टाफ नर्स और 90 फार्मासिस्ट शामिल हैं।
चारधाम यात्रा में 96 विभागीय एम्बुलेंस और 77 आपातकालीन सेवा 108 एम्बुलेंस सहित 200 एम्बुलेंस की तैनाती की गई है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की संपत्तियों से हटाए जाएंगे कब्जे

- समिति के अध्यक्ष ने करोड़ों के दान की संपत्तियों का ब्योरा लेना किया शुरू
-मंदिरों, धर्मशालाओं, दुकानों के किरायेदारों का है कब्जा, दे रहे हैं मामूली किराया

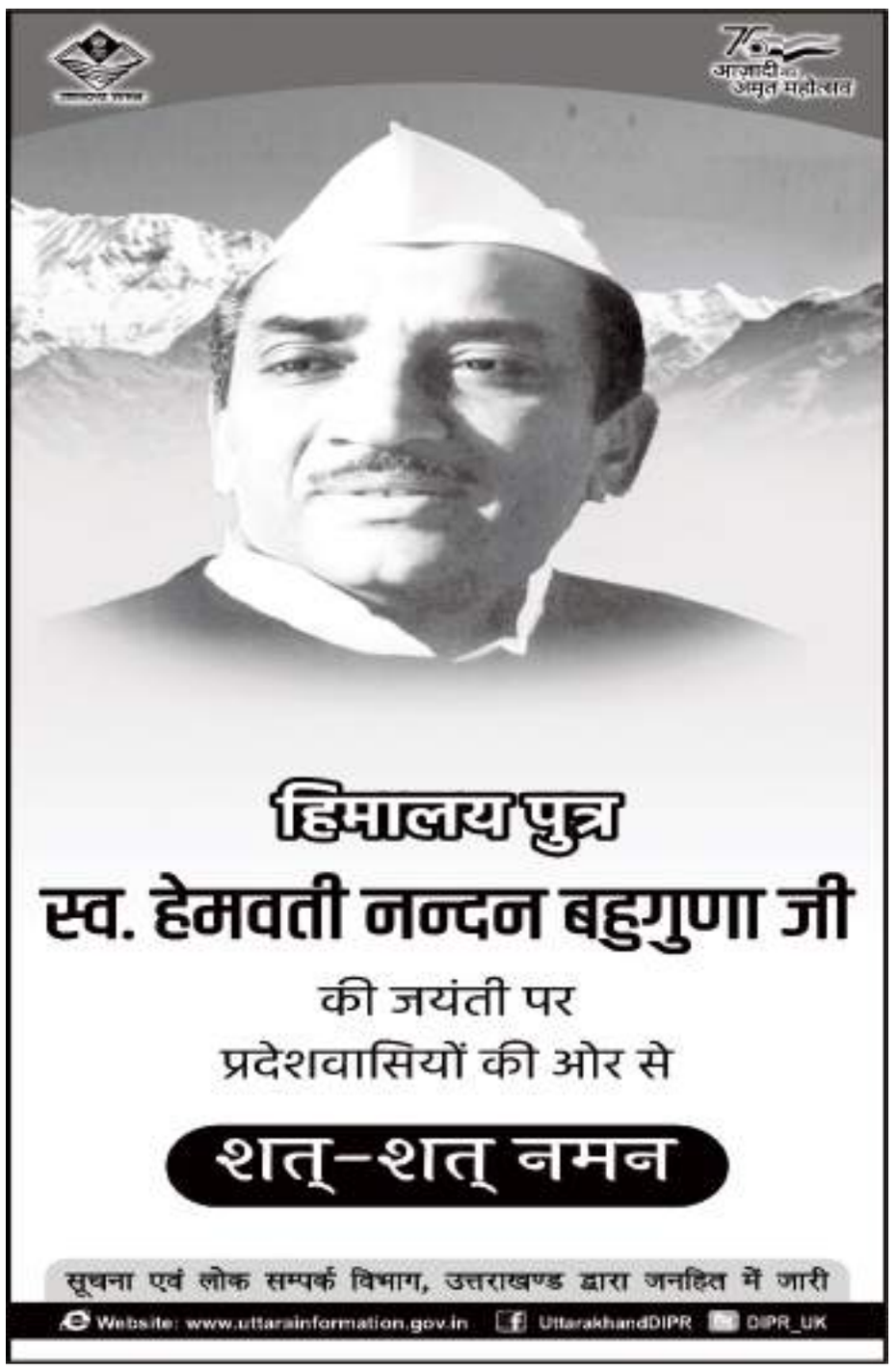

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के चार धामों के प्रति जहां देश-दुनिया के लाखों-करोड़ों की आस्था और श्रद्धा है तो वहीं प्रतिवर्ष इन धामों के दर्शन को लाखों लाख लोग आते हैं। पूरे देश में इनकी करोड़ों की संपत्तियां फैली हुई हैं। दान-दाताओं की दान की गई इन संपत्तियों पर बहुत से लोगों कब्जा कर रखा है। अब बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अपनी संपत्तियों से ऐसे कब्जों को हटाने का निर्णय लिया है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय ने कहा कि अब भगवान बद्रीनाथ-केदारनाथ को दी गई करोड़ों के दान की संपत्तियों का ब्योरा लेना प्रारंभ कर दिया गया है। इन संपत्तियों पर वर्षों से लोगों का कब्जा है। मंदिरों, धर्मशालाओं और दुकानों को जिन किरायेदारों ने किराये पर लिया था, उन्होंने इतने वर्षों में न तो किराया बढ़ाया है और न ही समिति को उनकी संपत्ति वापस कर रहे हैं। अब तक के अध्यक्षों ने इस मामले पर बहुत ध्यान नहीं दिया था, लेकिन वे इस मामले में काफी सजग हैं। इन संपत्तियों पर लोगों ने कब्जा तो जमा ही रखा है। साथ ही कुछ लोग ऐसे भी हैं जो नाममात्र का किराया मंदिरों को भेजते हैं जबकि तमाम लोग ऐसे हैं जो अपने भय और प्रभाव के आधार पर मंदिर की संपत्तियों पर पूरी तरह से स्वामी जैसे काबिज हैं। वे मंदिर समिति को कुछ भी नहीं दे रहे हैं। कई राज्यों में हैं बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की संपत्तियां-
मंदिर समिति की जानकारी के अनुसार ऐसी संपत्तियां हरिद्वार, हल्द्वानी, रामनगर, महाराष्ट्र के मुरादनगर, लखनऊ, देहरादून आदि शहरों में हैं, जो इस समय बेशकीमती हैं। ऐसे महत्वपूर्ण स्थानों पर जिनका व्यवसायिक उपयोग हो रहा है। इन जमीनों और संपत्तियों को यदि मंदिर समिति को दे दिया जाए तो इन्हीं से मंदिर समिति को करोड़ों की आय होगी जबकि इन संपत्तियों पर मंदिर समिति को कहीं से केवल नाममात्र का ही किरायामिल रहा है तो कहीं से कुछ नहीं मिल रहा है। महाराष्ट्र के मुरादनगर में 17 एकड़ जमीन है। इस पर एक परिवार का कब्जा है। लखनऊ में 11 हजार वर्ग फुट की संपत्ति है, जिस पर भी कब्जा है। राजपुर रोड पर बद्री-केदार मंदिर की जो संपत्ति है, वह करोड़ों की है।

हिमालय पुत्र
स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा जी
की जयंती पर
प्रदेशवासियों की ओर से
शत्-शत् नमन
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
Website: www.uttarainformation.gov.in UttarakhandDIPR DIPR_UK

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 16/2023, दिनांक- 19.04.2023 के लिए शुद्धिपत्र संख्या: 1
दिनांक:- 24.04.2023

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)		बिड सिक्युरिटी राशि (रु.)	
		मौजूदा मूल्य	संशोधित मूल्य	मौजूदा मूल्य	संशोधित मूल्य
1.	28/परिषद न.वि.अभि./ला./मुरा./2023 ABSS के लिए विद्युत कार्य अमृत भारत योजना के तहत मुरादाबाद मंडल के गढ़मुक्तेश्वर (GMS) स्टेशन का उन्नयन।	1,32,70,039.05 (जीएसटी सहित)	78,17,813.88 (जीएसटी सहित)	2,16,400.00	1,56,400.00
2.	30/परिषद ब.वि.अभि./ला./मुरा./2023 ABSS के लिए विद्युत कार्य अमृत भारत योजना के तहत मुरादाबाद मंडल के बुलन्दशहर (BSC) स्टेशन का उन्नयन।	51,84,855.98 (जीएसटी सहित)	51,19,506.40 (जीएसटी सहित)	1,63,700.00	1,02,400.00

1220/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

करोना कभी नष्ट ना होने वाला संक्रमण

करोना कभी न नष्ट होने वाला वाला ऐसा जानलेवा संक्रमण है जिसके महीनों तथा वर्ष के अंतराल में लौट लौट कर मानव शरीर में आने की संभावना सदैव बनी रहती है । विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि करोना संक्रमण के वैरीअंट को समूचा खत्म नहीं किया जा सकता उसकी केवल प्रीवेंटिव मेडिसिन या वैक्सीन ही ली जा सकती है। करोना से दूर रहने के लिए केवल और केवल सावधानी और चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा दी गई गाइडलाइंस का ही पालन करना होगा, अन्यथा करोना जानलेवा तो है ही। क्या आपको नहीं लगता एक दूसरे के संक्रमण से फैलने वाला भयानक करोना सिर्फ प्राकृतिक विपदा एवं प्राकृतिक असंतुलन का नतीजा है, बल्कि कुछ मांस भक्षी लोगों मानसिक असंतुलन का भी भयानक परिणति है। प्रकृति ने हमें पहले से ही सचेत करके रखा था, पहले सुनामी, बाढ़, सूखा और भूस्खलन के परिणामों से हमें आगाह किया था और न जाने इन भयानक विपदाओं से कितने लोग काल के गाल में समा चुके हैं। हर वर्ष सुनामी,भूस्खलन,बाढ़ से मरने वालों की संख्या हजारों में होती रही है, पर कुछ देशों के नागरिकों के मानसिक संतुलन का क्या कहें, जिन्हें सब्जी,भाजी,दूध,फल, सूखे मेवे को छोड़कर कुत्ता, बिल्ली,सांप, चमगादड़, सूअर खाने की न जाने क्यों इच्छा बलवती हुई है,और उन्होंने इसका रोजमर्रा की जिंदगी में सेवन करना शुरू कर दिया,चीन सहित विश्व में कई ऐसे देश है जो हर जंतु के मांस का खाने में रोज इस्तेमाल कर नई-नई बीमारियों को जन्म दे रहे हैं। चीन के द्वारा चमगादड़, सांप, केकड़े और ना जाने कितने जीव जंतुओं का मांस अपने आहार के रूप में इस्तेमाल करते हैं, और इसी की परिणति हुई है कि चमगादड़ में नाना प्रकार के प्रयोग कर करोना वायरस जैसे भयानक संक्रमण वाली बीमारी की उत्पत्ति कर दी और यही करोना वायरस ने पूरे विश्व में मौत का तांडव मचा कर लाखों लोगों की मृत्यु का कारण भी बना है। यह मानवीय मानसिक आसंतुलन तथा दिवालियापन का एक भयानक परिणाम है। जिसकी एकदम सही और सटीक इलाज खोजने में चिकित्सकों को वैज्ञानिकों को सिर से पैर तक पसीना छूट गया है। फिर भी इस कोविड-19 के वायरस का 100% इलाज नहीं खोज पाए हैं। पृथ्वी में बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं जल, वायु, मृदा तत्व, पेड़, झरने,समुद्र, तालाब,नदियां इन सब का सकारात्मक इस्तेमाल कर मानव धरती को समृद्ध तथा मालामाल करता आया है, एवं अपने जीवन यापन हेतु सुचारू रूप से सब्जियां, फल,आयुर्वेदिक दवाएं और न जाने कितने मृदा तत्व जिनमें हीरे,मोती, जवाहर, लोहा,पीतल, तांबा,सोना,चांदी आदि निकालकर जीवन को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सफल हुआ है। पर कुछ लोगों ने दिमागी असंतुलन के चलते मूक जानवरों का वध करके उसे भोजन की वस्तु बनाकर प्राकृतिक असंतुलन बढ़ाने का जोखिम उठाया, इसी तरह पेड़, जल, मिट्टी, वायु का संरक्षण न करके उसने अप्राकृतिक वस्तुओं का इस्तेमाल करके विश्व का तापमान बढ़ाकर मानव जाति के लिए अनेक खतरे एवं मुसीबतें पैदा कर ली है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण पर्यावरण असंतुलित हो गया है।

माफिया के महिमामंडन की बेशर्म राजनीति

डॉ. आशीष वशिष्ठ

> "कानून तो मानो अतीक का बंधक बना था। नेतागण आज किस कानून की दुहाई दे रहे हैं? ऐसी स्थितियों और समीकरणों में कानून और अदालतें क्या कर सकती थीं? उप्र में बीते छह साल से भाजपा की योगी सरकार है, लिहाजा आंकड़े गिनाए जा रहे हैं कि इस दौरान कितनी मुठभेड़ें की गई और उन्हें कोई भी इंसाफ नहीं मिला। हम भी इसी सोच के पक्षधर हैं कि अंतिम न्यायवादी निर्णय अदालत का ही होना चाहिए, लेकिन अतीक जैसे माफिया को अदालतें सजा ही नहीं सुना पा रही हैं, तो सरकार और पुलिस क्या करे? क्या माफियागीरी को जिंदा रहने दें, फलने-फूलने दें? इस पहलू पर भी विचार किया जाना चाहिए"

उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हुंकार प्रदेश और देशवासियों को विस्मृत नहीं हुई है। जब उन्होंने कहा था कि माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। जान के लाले पड़ जाएंगे। माफिया या तो जेल में होगा अथवा उत्तर प्रदेश से भाग जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकाण्ड के चश्मदीद उमेश पाल की दिनदिहाड़े हत्या के बाद आया था। उमेश पाल की नृंशस हत्या अतीक अहमद के बेटे और गुर्गो ने की थी। उमेश पाल की हत्या के बाद अतीक अहमद के परिवार और गुर्गों के सितारे गर्दिश में चल रहे हैं। हत्याकाण्ड में शामिल कई शूटरों का पुलिस इनकाउंटर कर चुकी है। जिसमें अतीक का बेटा असद भी शामिल है। बीती 15 अप्रैल को पुलिस के सख्त पहरे और चैतरफा घेरेबंदी के बावजूद, किसी ने मीडिया का मुखौटा धारण कर, अतीक और उसके छोटे भाई अशरफ पर गोलियां चला दीं और कुछ ही सेकंड में जिंदगियां निष्प्राण हो गईं। माफिया के रूपक बने दोनों भाई मारे गए। यह हत्यावादी हमला भी किसी साजिशाना रणनीति का हिस्सा हो सकता है! अतीक और अशरफ को ह्यलाशह्ल बनाने वालों ने आत्म-समर्पण भी कर दिया। उन पर हत्या का मुकदमा चल सकता है। साक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट और सार्वजनिक हैं। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायिक आयोग से जांच के आदेश दिए हैं। बेशक अतीक की माफियागीरी का फिलहाल अंत को चुका है, लेकिन उसके चार बेटे (दो बालिग, दो नाबालिग) पुलिस की गिरफ्त में हैं। लेकिन जिस तरह की राजनीति अतीक और अशरफ की हत्या के बाद की जा रही है, वो सोचने को मजबूर करती है। अतीक और अशरफ की मौत को चंद सियासी दल और संगठन सांप्रदायिक मुद्दा बनाने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। सपा, बसपा और ओवैसी इस हत्याकांड को ह्यमुस्लिमवादह्ल के तौर पर प्रचारित करने में प्रयासरत हैं। यह खुला तथ्य है कि अतीक को मुलायम सिंह यादव और मायावती सरीखे नेताओं का संरक्षण हासिल था, जिसकी छाया में वह माफिया बनता चला गया। अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन उमेश पाल शूटआउट केस में नामजद अभियुक्त हैं। उमेश पाल शूटआउट केस में संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया है। फिलवक्त फरार चल रही शाइस्ता ने इस साल जनवरी की पांच

तारीख का असदुद्दीन की पार्टी एआईएमआईएम को छोड़कर बसपा का दामन थामा था। शाइस्ता के साथ उनके तीन बेटों ने भी बसपा की सदस्यता ली थी। उस वक्त यूपी निकाय चुनाव टलने की वजह से आज अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता को आधिकारिक तौर पर प्रयागराज सीट से मेयर का उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया था। इसके बावजूद मंच से कई बार यह बात कही गई कि जब भी चुनाव होगा और शाइस्ता परवीन टिकट चाहेंगी तो पार्टी उन्हें ही उम्मीदवार बनाएगी। आज अगर उमेश पाल हत्याकाण्ड न हुआ होता तो, शाइस्ता परवीन अपने गुर्गों के साथ प्रयागराज में घर-घर जाकर अपने लिए वोट मांग रही होती। और हो सकता है वो माननीय मेयर भी बन जाती। अतीक की हत्या के बाद जिस तरह की राजनीति चंद सियासी दल कर रहे हैं। और जिस तरह की रिपोर्ट कुछ पत्रकार और मीडिया हाउस कर रहे हैं, वो साफ तौर पर दशार्ता है कि अपराधी नेता और मीडिया की दोस्ती कितनी गहरी है। माफिया अतीक अहमद कई राजनीतिक दलों और नेताओं के ह्यअतीक जीह्ल हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का मानना है कि जनाजा ह्यअतीक जीह्ल का नहीं, कानून का निकला है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अतीक-अशरफ पर जानलेवा हमले को ह्यभारत के संविधान पर हमलाह्ल करार दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती और ओवैसी सरीखे नेताओं की फेहरिस्त लंबी है, जो अतीक-अशरफ की हत्या को ह्यलोकतंत्र की हत्याह्ल मान रहे हैं। यह सबसे विरोधाभासी उपमा है। अतीक कब लोकतंत्रवादी था? जरा इस सवाल की व्याख्या वे नेतागण कर दें, जो आज रुदाली-प्रलाप में डूबे हैं। अतीक मुलायम सिंह यादव और मायावती के करीब और संरक्षण में रहा है, लिहाजा सपा-बसपा के नेताओं ने मुठभेड़ और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। चूंकि ओवैसी ह्यमुस्लिमवादीह्ल सियासत करते हैं, लिहाजा वह चिंघाड़ रहे हैं कि पुलिस ही मुठभेड़ में मारती रहेगी, तो अदालतें और जज क्या करेंगे? अदालतों पर ताले लटका देने चाहिए। किसी भी अपराध की सजा सरकार और पुलिस नहीं, न्यायपालिका तय करती है। अतीक के जरिए ही राजनीति का अपराधीकरण भी खूब बढ़ा, क्योंकि उप्र में सपा सरकार ने 2 बार, कांग्रेस सरकार ने एक बार और भाजपा गठबंधन की सरकार ने भी एक बार, अतीक के खिलाफ, ह्यगैंगस्टर एक्टह्ल वापस लिया था। कानून का मजाक उड़ाया गया। दुहाई यह दी जा रही है कि किसी भी अपराधी और माफिया को सजा देने का दायित्व और अधिकार अदालत और कानून-संविधान का है। कमोबेश हमारी सोच भी यही है कि देश कानून-संविधान से ही चलना चाहिए। हम मुठभेड़ी हत्याओं और सरेआम लाशें बिछा देने की करतूतों के खिलाफ हैं, लेकिन ऐसा हरेक सरकार में होता रहा है। विपक्ष में आते ही विस्मृति छाने लगती है। गौरतलब यह है कि किसी निचली अदालत के नहीं, बल्कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 10 न्यायाधीश इतने खौफजदा थे कि उन्होंने अतीक से जुड़े आपराधिक मामलों की सुनवाई से ही इंकार कर दिया था। उन न्यायाधीशों के नाम आज सार्वजनिक हो चुके हैं। संदर्भ 2010 और उसके बाद के हैं। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने अतीक के केस जिस भी न्यायमूर्ति को सुनने के लिए दिए, उसी ने हाथ खड़े कर दिए। सुनवाई से अलग ही रहे। किसी अन्य न्यायाधीश को रेफर करने का आग्रह किया। नतीजतन अतीक के खिलाफ करीब 44 सालों तक कोई भी अदालती फैसला नहीं आ सका। कानून अप्रासंगिक बनकर रह गया। अतीक अपराध करता रहा। माफिया भी बन गया। हत्याओं के केस लगातार दर्ज होते रहे। जमीनों पर कब्जे किए जाते रहे। फिरौतियां वसूली गईं। वह जेल तो गया, लेकिन किसी भी कानून ने उसे सजा नहीं सुनाई। ये तथ्य भी सामने आए हैं कि अतीक के तार पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े थे। उसके लश्कर-ए-तैयबा सरीखे आतंकी संगठन से भी नापाक जुड़ाव थे। अतीक ने पाकिस्तान और हमारे पंजाब के रास्ते विदेशी हथियार और फंडिंग आदि प्राप्त किए थे। क्या यह माफिया भारत-विरोधी भी रहा है? अतीक के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक केस बताए जा रहे हैं। करीब दर्जन भर राज्यों में अतीक की ठेकेदारी भी माफियागीरी की तर्ज पर चलती रही। उसने अपराध और कारोबार से करोड़ों रुपए अर्जित किए। अतीक ने माफियागीरी से करीब 11,000 करोड़ रुपए की संपदा बनाई। मौजूदा उप्र सरकार और पुलिस का दावा है कि उसने अतीक गैंग की 1169.20 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों का जब्तीकरण और ध्वस्तीकरण किया है। किसी कानून और जांच एजेंसी ने आकलन करने की हिम्मत की थी कि माफिया अतीक के पास इतनी संपदा कहां से और कैसे आई?

कानून तो मानो अतीक का बंधक बना था। नेतागण आज किस कानून की दुहाई दे रहे हैं? ऐसी स्थितियों और समीकरणों में कानून और अदालतें क्या कर सकती थीं? उप्र में बीते छह साल से भाजपा की योगी सरकार है, लिहाजा आंकड़े गिनाए जा रहे हैं कि इस दौरान कितनी मुठभेड़ें की गईं और उन्हें कोई भी इंसाफ नहीं मिला। हम भी इसी सोच के पक्षधर हैं कि अंतिम न्यायवादी निर्णय अदालत का ही होना चाहिए, लेकिन अतीक जैसे माफिया को अदालतें सजा ही नहीं सुना पा रही हैं, तो सरकार और पुलिस क्या करे? क्या माफियागीरी को जिंदा रहने दें, फलने-फूलने दें? इस पहलू पर भी विचार किया जाना चाहिए।

कविता

दरबार कवि

मैं भारत माँ का सपूत, दरबार कवि नहीं
बन सकता

सत्य, धर्म और राष्ट्र विषय में समझौता
नहीं कर सकता

सत्य को निर्भय हो कह दूँ, कठपुतली कैसे
बन जाऊँ

मैं रूखी-सुखी खा लूंगा, पर राष्ट्रद्रोह नहीं
सह सकता

मैं अहम्, झूठ से कोसों दूर, स्वाभिमान का
रक्षक हूँ

मैं लोभग्रस्त होकर दिन को, कभी रात नहीं
कह सकता

कटु हूँ सत्य की राह पर, परवाह नहीं
षड्यंत्रों की

तज सकता हूँ प्राण सहज, पर परिक्रमा
नहीं कर सकता

डॉ उमेश प्रताप

एकल लिंग आधारित स्कूल बनाम को-एजुकेशन स्कूल

विजय गर्ग

सिंगल-सेक्स स्कूल और को-एड स्कूल एक ऐसा विषय है जो कई माता-पिता के लिए चिंता का विषय रहा है। ऐसे स्कूल हैं जो बच्चों के एक निश्चित उम्र तक पहुँचने के बाद सिंगल सेक्स क्लास शुरू करते हैं जबकि कुछ स्कूल किंडरगार्टन से ही सख्ती से सिंगल सेक्स क्लास शुरू करते हैं। को-एड स्कूलों में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है। लड़के-लड़कियां दोनों साथ पढ़ते हैं। माता-पिता के लिए यह निष्कर्ष निकालना एक बड़ा मुद्दा बन गया है कि कौन सा बेहतर है, आखिर यह उनके बच्चे के भविष्य का सवाल है। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों पक्षों के बीच अपना-अपना औचित्य देते हुए एक आभासी रस्साकशी चल रही है। शोधकर्ताओं, शिक्षकों, माता-पिता और बच्चों के बीच निरंतर संघर्ष चल रहा है कि कौन सा बेहतर है? विभिन्न प्रकार के शोध किए गए हैं और कुछ रर (सिंगल सेक्स) के पक्ष में हैं जबकि अन्य उए (उङ्ग-एर्) के पक्ष में हैं। आइए हम दोनों दृष्टिकोणों को समझें और एक उचित निष्कर्ष पर पहुँचें। सिंगल-सेक्स स्कूलों के फायदे? एसएस के समर्थकों के अनुसार, एकल-सेक्स प्रारूप ऐसे अवसर पैदा करता है जो सह-शिक्षा कक्षा या स्कूलों में मौजूद नहीं होते हैं। ऐसी कुछ रणनीतियाँ हैं जिन्हें शिक्षक सभी-लड़कियों की कक्षा/स्कूल और सभी-लड़कों की कक्षा/स्कूल में नियोजित कर सकते हैं जो सह-शिक्षा वातावरण में प्रभावी नहीं हैं। इसका प्रमाण ग्रेड और टेस्ट स्कोर में नाटकीय सुधार है एसएस का समर्थन करने वाले शोधकर्ताओं द्वारा व्यक्तिपरक प्रदर्शन की भी सूचना दी गई है। उनके निष्कर्षों में, विशेष रूप से अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं में लड़कों के प्रदर्शन के साथ-साथ गणित और विज्ञान में लड़कियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। जो लड़के खेलों में नहीं थे, वे एकल-लिंग वर्गों में उजागर नहीं हुए। ऐसे लड़के सहज और सहज महसूस करते थे, कि वे अन्य लड़कों से बदमाशी या आक्रामक व्यवहार का अनुभव नहीं करते थे, और वे 'ऑल-बॉयज' स्कूलों के माहौल से भयभीत नहीं थे। लड़कियों की अनुपस्थिति में लड़के कम प्रतिस्पर्धी होते हैं और एकल-सेक्स सेटिंग में अधिक सहयोगी बन जाते हैं। वे इस बात की कम चिंता करते हैं कि लड़कियां उनके बारे में क्या सोच सकती हैं और खुद क्या हो सकती हैं। मार्चिंग बैंड के विरोध में कविता और आर्केस्ट्रा में बजाना जैसी गतिविधियां वर्जित नहीं हैं। एक अन्य लाभ यह है कि एकल-सेक्स स्कूलों में लड़कियां उन्नत गणित और भौतिकी जैसे विषयों को लेने के लिए अधिक इच्छुक थीं, जिन्हें पारंपरिक रूप से लड़कों का डोमेन माना जाता है। इसका कारण यह है कि विषयों के चुनाव के कारण उन्हें लड़कों की आलोचना का सामना नहीं करना पड़ा। इससे न केवल रूढ़िवादिता टूटी बल्कि लड़कियों में आत्मविश्वास भी बढ़ा।

एकल-सेक्स स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के बेहतर व्यवहार करने और सीखने को अधिक सुखद और पाठ्यक्रम को अधिक प्रासंगिक बनाने की संभावना अधिक थी क्योंकि कम विकर्षण थे।

विचार

युगांडा से सूडान संकट तक: बदलती भारतीय विदेश नीति

आर.के. सिन्हा

सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे भीषण गृहयुद्ध के चलते वहां हालात तो बद से बदतर होते चले जा रहे हैं। ऐसे में वहां फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने को लेकर सारा देश चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकासी के लिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं । मतलब यह कि अब सरकार एक्शन मोड में आ गई है।

यह बदले हुए मजबूत भारत का नया चेहरा है। अब जहां पर भी भारतवंशी या भारतीय संकट में होते हैं, तो भारत सरकार पहले की तरह हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठती। आपको याद ही होगा कि रूस-यूक्रेन जंग के कारण हजारों भारतीय मेडिकल छात्र-छात्रायें यूक्रेन में फंस गए थे। उन्हें भारत सरकार तत्काल सुरक्षित स्वेदश लेकर आई। भारत के हजारों विद्यार्थी यूक्रेन में थे। वे वहां पर मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और दूसरे पेशेवर कोर्स कर रहे थे। ये रूस-यूक्रेन जंग को देखते हुए वहां से निकल कर स्वदेश आना चाहते थे। पहले तो किसी को समझ में ही नहीं आ रहा था कि इतनी अधिक संख्या में यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों में पढ़ रहे भारतीय नौजवानों को स्वदेश कैसा लाया जाएगा। पर इच्छा शक्ति हो तो सब कुछ संभव है। यह साबित करके दिखाया गया।

अब अफगानिस्तान में गृहयुद्ध के दिनों की ही बात को जरा याद कर लें। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आते रहे थे। काबुल में जिस तरह के हालात बन गए थे उसमें सारे भारतीयों को लेकर तालिबानी आतंकियों के बीच से लेकर आना कोई छोटी बात नहीं थी कइनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा था। कुछ विमान कतर के रास्ते से भी आ रहे थे। उस वक्त भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों विकास के बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को नये तरह से खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट फंस गए थे । पर इन प्रोजेक्ट्स से हजारों भारतीय जुड़े हुए थे। इन्हीं भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा रहा था। भारत की तरफ से अफगानिस्तान बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद भवन से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर आदि समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था।

लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान से देश के नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और वहां से भारत आने के इच्छुक सिखों व हिंदुओं को भी भारत में शरण देने का अधिकारियों को निर्देश भी दे दिये। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के नियंत्रण के बाद ही आने वाली परिस्थितियों को भांपते हुये भारत सरकार सक्रिय हो गई थी। जाहिर है, ये सब कदम उठाने के बाद भारत सरकार का इकबाल न केवल देश के अन्दर बल्कि विदेशों में भी बुलंद हुआ। अब आगे बढ़ने से पहले 1972 के दौर में चलते हैं। अब भी बुजुर्ग हो रहे भारतीयों को याद ही होगा कि सन 1972 में अफ्रीकी देश युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन ने अपने देश में रहने वाले हजारों भारतीयों को रातों रात आदेश दे दिया था कि वे सभी 90 दिनों में देश को छोड़ दें। हालांकि वे भारतीय ही युगांडा की अर्थव्यवस्था की जान थे। पर सनकी अमीन कभी भी और कुछ भी कर देता था। उसके फैसले से वहां पर दशकों से रहने वाले भारतवंशियों के सामने बड़ा भारी संकट खड़ा हो गया था । तब ब्रिटेन ने उन भारतीयों को अपने यहां शरण दी थी। तब हमारी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने उन भारतवंशियों के लिए कुछ नहीं किया था। ऐसा उन्होंने क्यों किया यह लोगों को अचम्भे में डालने वाला था कक्योंकि, वे कोई कमजोर प्रधानमंत्री तो थी नहीं कउस समय बांग्लादेश की आजदी और पाकिस्तान के 93000 सैनिकों के आत्म समर्पण के बाद उनके शोहरत का डंका बज रहा था कलेकिन, उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाये कपता नहीं क्यों ? भारतीय युगांडा में लुटते-पिटते रहे थे, लेकिन हमने घडियाली आंसू बहाने के सिवा कुछ नहीं किया था। उन भारतीयों को हमसे अभी तक गिला है जो होना भी चाहिये । क्या हम सात समंदर पार जाकर बस गए बहादुर उधमी भारतीयों से सिर्फ यही उम्मीद रखें कि वे भारत में आकर निवेश करें?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

दोस्ती, प्यार और धोखा का संबंध

रूपेश कुमार

दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो दो लोगों को एक दूसरे के करीब लाता है। इस रिश्ते में विश्वास, समझदारी, साझेदारी और समर्थन की भावना होती है। यह एक ऐसा रिश्ता है जो जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होती है। एक सच्चा दोस्त हमारे साथ हमारी खुशियों और दुखों का सामना करता है, हमें समझता है, हमारी मदद करता है और हमेशा हमारे साथ रहता है इसलिए दोस्ती में हमेशा समझदारी बरतनी चाहिए और अपने दोस्तों पर विश्वास करना चाहिए । अगर कोई समस्या होती है तो समझौते के रास्ते से हल निकालना चाहिए। दोस्ती का रिश्ता एक लम्बी यात्रा होती है, इसलिए उसे संभाल कर रखना चाहिए। आपको अपने दोस्त के साथ खुले तौर पर वातार्लाप करना चाहिए और उनसे यह पूछना चाहिए कि वे आपसे क्या उम्मीद करते हैं और आपको उनकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए क्या करना होगा। यदि आप अपने दोस्त को माफ करने के लिए तैयार हैं, तो आप अपनी दोस्ती को दोबारा बनाने के लिए कोशिश कर सकते हैं। प्यार एक ऐसी भावना है जो दो व्यक्तियों के बीच के विश्वास से जुड़ी होती है। यह अद्भुत अनुभव कराता है जो आत्मिकहोते हुए भी शारीरिक आकर्षण से भरा होता है। इसमें आपसी विश्वास, समझदारी, आदर, भरोसा, सहानुभूति, समर्पण और सम्मान जैसी भावनाएँ शामिल होती हैं। प्यार की अहमियत यह है कि यह दोनों व्यक्तियों के बीच एक गहरा संबंध बनाता है जो समय के साथ बढ़ता है और उन्हें एक दूसरे के साथ अधिक समृद्ध और खुशहाल बनाता है। यह ऐसी भावना है जो व्यक्ति के दिल में उत्पन्न होता है। इसे जीवन का सबसे अनुपम अनुभव माना जाता है जो हमें खुशी और संतुष्टि का एहसास कराता है। धोखा एक ऐसी स्थिति होती है जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को झूठा या धोखेबाज साबित करता है। इसमें विश्वासघात शामिल होता है। धोखा देना या धोखा खाना दोनों ही बहुत दुखद होता है क्योंकि यह दूसरों के प्रति हमारे विश्वास को नष्ट कर देता है। धोखा देने वाले व्यक्ति को उसके कारणों और परिणामों का विचार करना चाहिए कि उसका घातक दुष्प्रभाव दूसरे के जीवन पर पड़ेगा।

बिना हड्डी की जीभ

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे एक मित्र हैं। आए दिन समाचार चैनल देख-देखकर उनके जुबान की धार बहुत तेज हो गई है। कभी-कभी लगता है कि साग-सब्जी भी अब इसी से काटते हैं। वैसे भी जहाँ धारदार जुबान हो वहाँ मुंड चाकुओं के होने का क्या मतलब? वे अक्सर मुझसे कहते रहते हैं कि लड़ाने को यों कुछ भी लड़ाया जा सकता है, पर जुबान लड़ाने का मजा ही कुछ और है। चाकू जुबान को नहीं चला सकती, लेकिन जुबान चाकू को जरूर चला सकती है। सुनने में बड़ा अजीब लगता है लेकिन किसी के आगे जुबान लड़ा कर देखिए। या तो बिगड़े काम बन जायेंगे। या फिर बने बनाए काम बिगड़ जायेंगे। यह सब जुबान लड़ाने वाले के कौशल पर निर्भर है कि वह कितनी अच्छी तरह से जुबान लड़ा सकता है। जुबान लड़ाना एक कला है। इसके लिए साधना करनी पड़ती है। ऋषि-मुनि की तरह। अंतर केवल इतना है कि वे ऋषि-मुनियों को एकांत की आवश्यकता पड़ती है, जबकि जुबान लडाने वालों को भीड़ की। चुनावी रैलियों, चाय की टपरी, नुक्कड़ो-चौराहों पर यह माहौल बना-बनाया मिलता है। शरीर में जुबान ही एक ऐसा अंग है जिसमें हड्डी नहीं होती है। इसलिए दुनियाभर के इंसान अलग-थलग हैं। जुबान लड़ाना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसकी शास्त्रीय व्याख्या बहुत जरूरी है। आप कल्पना करके देख सकते हैं कि यदि कोई व्यक्ति कुछ बोल रहा हो और उसकी बात को काटकर अपनी जुबान लड़ा दें तो स्वाभाविक है कि सामने वाली की ऐसी-तैसी होनी ही है। आखिर जुबान लड़ाने का अर्थ क्या है? अर्थ इसका काफी विस्तृत है, इसलिए विविधता भी पाई जाती है। जरूरी नहीं कि आप जिस कारण कहीं जुबान लड़ाते हो, हम भी उसी कारण से लड़ाएँ। अर्थात यह लड़ाने वाले की नीयत पर निर्भर करता है। फिर भी, एक सार्वजनिक अर्थ इसका है, अनावश्यक हस्तक्षेप करना। कोई चाहे, न चाहे, जरूरत हो, न हो। दूसरों के मामलों में दखलअंदाजी करना। यह महज एक सामान्य और सतही अर्थ है। इसके अर्थ की व्यापकता की कोई सीमा नहीं है। यह पूरी तरह जुबान लड़ाने वाले की सुविधा, इच्छा और जरूरत पर निर्भर करता है। अब रही बात कि जुबान लड़ाने की जरूरत क्या है? यह एक शौक है, आदत है या बीमारी?

न्यूज फ्लैश

अद्भुत संगम कुरुक्षेत्र की मासिक काव्य गोष्ठी हुई आयोजित

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)अदबी संगम कुरुक्षेत्र की मासिक काव्य गोष्ठी श्री सतीश गर्ग की मेजबानी में व प्रेम सागर कुंजपुरा करनाल से पधारे उनकी अध्यक्षता में सीनियर सिटीजन फोरम सेक्टर 13 कुरुक्षेत्र में आयोजित की गई। जिसमें पधारे कविगण मुख्य रूप से करनाल से रामेश्वर देव, राजपाल और प्रेम सागर एवं डॉ हरीश बावला, डॉ सुभाष गर्ग, डॉ राकेश भास्कर, आरके शर्मा, श्रीमती गंगा मलिक, डॉ शकुंतला शर्मा, डॉ बलवान सिंह बादल, प्रकाश कुरुक्षेत्री, सुधीर ढांडा, सीमा बिरला, रामेश्वर एवं सूबे सिंह सुजान आदि शामिल रहे। अदबी संगम कुरूक्षेत्र करनाल व कुंजपुरा से पधारे कविगण का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता है और आज काव्य गोष्ठी में आए सभी सम्मानित सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद।

गांव भूतमाजरा में लगे शिविर में 90 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांचा

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग की ओर से लाडवा ब्लाक के गांव भूत माजरा में एक स्वास्थ्य चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 90 ग्रामीणों लोगों की अनेक प्रकार की बीमारियों की जांच की गई।

समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि उनकी इच्छा है कि उनके हल्के का कोई भी व्यक्ति बीमार न हो उन्होंने कहा कि जब हल्के के लोग स्वस्थ रहेंगे, तभी वह अपने कार्य कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके फाउंडेशन की ओर से समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। लगभग महीने में दो या तीन लाडवा हलके के गांवों में इस प्रकार के शिविर लगाए जाते हैं। इससे पूर्व आरोग्यं हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा 90 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें ब्लड शुगर बीपी खांसी जुकाम व अन्य प्रकार की बीमारियों के बारे में जांच की गई। वहीं मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी दी गई। इस अवसर पर रिंकू, सुरेश कुमार, राजकुमार, रमेश चंद, अमरजीत, राजबीर, रविंद्र, राजेश, फुलचंद, मेवा सिंह, सतबीर, जगीर सिंह, प्रेम सिंह, रजनी, राजरानी, सुमन, राजबाला, गुरमेलों, संतोष सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

निकाय चुनाव: उड़नदस्ता टीम ने चलाया चेकिंग अभियान

मथुरा। निकाय चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। चुनाव गतिविधियों पर प्रशासन की नजर है। सोमवार को उडनदस्ते में तैनात अधिकारियों ने जगह-जगह छापेमार कार्रवाई की। तो वहीं, शहर में घूमते हुए प्रत्याशियों के वाहनों को चेक किया तो उनमें मिली प्रचार सामग्री के दस्तावेज भी मांगे है। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। उडनदस्ते गली मोहल्लों में कडी निगरानी रखे हुए हैं। सोमवार को उड़नदस्तों की जगह-जगह हुई कार्रवाई ने शहरभर में खलबली मचाई रखी। शहर के घंटाघर चौराहे पर सत्तारूढ़ भाजपा के एक चुनावी वाहन को रुकवा लिया। उसकी जांच पड़ताल की। बताया जा रहा है कि वह वाहन भाजपा प्रत्याशी का था। उन्होंने वाहन में उड़नदस्ते को कुछ प्रचार सामग्री मिली। जिसके दस्तावेज दिखाने के लिए मांगे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव प्रचार वाहन रिक्शा को रोककर उसकी परमिशन मांगी तो परमिशन में गाड़ी लिखी थी। जिसके बाद उडनदस्ता ने उसे चेतावनी देकर कार्यालय भेज दिया। उडनदस्ते में शामिल अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाही से संबंधित दस्तावेज मांगे गए हैं। अगर वो उपलब्ध नहीं होते है तो कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उधर, उडनदस्ता टीम के द्वारा जांच करने पर प्रत्याशियों में भी हड़कंप मच गया। कई गाड़ियों को भी चोरी छिपे भागते हुए देखा।

असीस कौर ने अपना नया सिंगल "आई डोंट गिव अ" रिलीज किया

नई दिल्ली। भारत की सबसे दमदार और जानी-मानी आवाजों में से एक असीस कौर ने आज अपना नया सिंगल "आई डोंट गिव अ" रिलीज किया। यह गीत एक गर्जना भरी क्रांति है और एक महिला जो अपनी ज़िंदगी की मालकिन खुद है उसका गीत है, साथ ही यह गीत देश भर की उन महिलाओं को आनंदपूर्ण सम्मान देता है, जो किसी भी चीज और हर उस चीज की परवाह न करने का विकल्प चुनती हैं, जो उन्हें परेशान करती हैं। दिल टूटने पर लड़कियाँ अब और नहीं रोएंगी। वे यहाँ अपनी शर्तों पर अपना जीवन जीने और मजे करने के लिए हैं।

इस म्यूजिक वीडियो में असीस कौर को एक शानदार नए अवतार में दिखाया गया है, क्योंकि वह अभिनेता और कॉमेडियन आदर मलिक के साथ मुख्य किरदार निभा रही हैं। विजय अनिल गांगुली द्वारा निर्देशित और कोरियोग्राफ किया गया, यह संगीत वीडियो देखने में बेहद आकर्षक होने के साथ झ साथ अंत में कहानी को एक नया मोड़ देकर इस गीत की ऊर्जा और भावना को पूरा करता है, कुमार द्वारा लिखे गए और गोल्डी सोहेल द्वारा संगीतबद्ध, इस ट्रैक को असीस के जोशीले स्वर और प्रतिभाशाली बुर्राह द्वारा रैप किया गया है।

18 ग्राम पंचायतों का फसल बीमा लैप्स, किसान नाराज

किसानों ने किया उप कृषि निदेशक कार्यालय का किया घेराव

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। **18 ग्राम** पंचायतों का फसल बीमा कंपनी से लैप्स हो गया है। इससे इन किसानों में नाराजगी है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकताओं ने किसानों के साथ मिलकर उप कृषि निदेशक अधिकारी के कार्यालय का घेराव किया। किसान और अधिकारियों की नोकझोंक हो गई। जिसमें बीमा कंपनी द्वारा छाता तहसील के 18 ग्राम पंचायतों की बीमा लेप्स किए जाने का किसानों ने मुद्दा उठाया गया। जिसको

लेकर अधिकारियों के द्वारा किसानों को काफी समझाने के बाद जल्द ही जांच कर रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने किसानों के साथ मिलकर उप कृषि निदेशक अधिकारी के कार्यालय का घेराव किया जहां पर किसानों की अधिकारियों से तीखी नोकझोंक हुई क्योंकि बीमा कंपनी के द्वारा छाता तहसील की कमाई, पिसावा, खायरा, पैगाम, रानहेरा, उमराया, बठैन, कामर आदि गांवों सहित लगभग 18 ग्राम पंचायतों कि रवि की फसल के बीमा को लेप्स कर दिया गया। भारतीय किसान यूनियन जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह ने बताया कि किसानों के बीमा को लैप्स होने का उन्हें पता चला तो किसानों में आक्रोश पैदा हो गया। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में किसानों ने मथुरा पहुंचकर प्रदर्शन किया। किसानों ने 20 मई तक का अधिकारियों को समय दिया गया है कि 20 मई तक जांच करा कर को चित्रपट दी जाएगी और किसानों को हो रही समस्या का समाधान किया जाएगा। अगर 20 मई तक किसानों की बीमा का समाधान नहीं किया गया तो बहुत बड़े स्तर पर भारतीय किसान यूनियन टिकट के नेतृत्व में किसानों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन अधिकारियों के ऑफिस में ताला जड़ दिया जाएगा।

केयू स्थित डे केयर सेंटर में बच्चों हेतु खिलौनों का हुआ वितरण किया

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र(दलबीर मलिक) **कुरुक्षेत्र** विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन शोध केन्द्र द्वारा आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र पूर्व छात्र संघ के सहयोग से विश्वविद्यालय में स्थित डे केयर सेंटर पर आने वाले बच्चों हेतु खिलौनों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. शुचिस्मिता शर्मा रहीं। उन्होंने बच्चों के लिए झूले, साइकिल व अन्य खिलौने डे केयर सेंटर को दिये तथा डे केयर सेंटर पर उपस्थित कर्मियों से बच्चों की देखभाल से जुड़ी जरूरतों पर चर्चा की। उन्होंने बच्चों की दिनभर की जाने वाले गतिविधियों, स्कूल पूर्व शिक्षा, आहार, साफ-सफाई आदि पर भी बातचीत की तथा बच्चों की अच्छी देखभाल के लिए प्रोत्साहित किया।

समाज सेवा संगठन ने बिशनस्वरूप कॉलोनी में लगाया 32वां वाटर कूलर

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत **समाज** सेवा संगठन द्वारा सोमवार को वार्ड 26 की बिशनस्वरूप कॉलोनी में 32वां वाटर कूलर लगाया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती विजयलक्ष्मी पालीवाल ने नारियल तोडकर किया। मुख्य अतिथि ने कहा समाज सेवा संगठन जल सेवा कर बहुत ही पुण्य का काम कर रहा है। संगठन द्वारा जरूरतमंदों को वैष्णो देवी, शिवखोड़ी, मथुरा व वृंदावन की निशुल्क यात्रा करवाना सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे नेक कार्य सभी संगठनों द्वारा करने चाहिए। संगठन की ओर से मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं संगठन अध्यक्ष प्रवीण जैन ने बताया बिशन सरूप कॉलोनी में अनेकों कंप्यूटर सैंटर हैं, जहां पर पानीपत शहर व आस-पास के गांवों से बहुत से बच्चे कंप्यूटर कोर्स करने आते हैं और यहां से हर वक्त राहगीरों का आना जाना भी लगा रहता है।

दिल्ली मॉडल पर निकाय चुनाव में वोट मांग रही आप

मथुरा। आम आदमी पार्टी दमदारी से निकाय चुनाव लड रही है। पार्टी के महापौर प्रत्याशी प्रवीण भारद्वाज ने मथुरा के सदर मालियान, अशोक बिहार, माली पाड़ा, अमीन कॉलोनी, यमुना बाग, पुरानी छावनी, सदर बाजार, अहीर पाड़ा, बाड़पुरा आदि में जनसंपर्क कर अपने लिए वोट मांगे। भारद्वाज ने सुबह से ही घर घर जाकर आम आदमी पार्टी के लिए वोट मांगे और लोगों से आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली में किए गए कामों के बारे में बताया। कहा कि मथुरा वृंदावन नगर में विगत समय में हाउस टैक्स और वाटर टैक्स को कई गुना बढ़ा दिया गया है जबकि भाजपा के सभी नेता जानते हैं कि मथुरा वृंदावन नगर में अधिकांश आबादी गरीब है जो रोज कमा कर खाती है उन पर हाउस और वाटर टैक्स को बढ़ाकर भाजपा ने उन पर बोझ बढ़ा दिया।

पानीपत में विभिन्न खंडों में 30 ई-लाईब्रेरी बनाई जाना प्रस्तावित

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत **जिला** परिषद की ओर से जिला के विभिन्न खण्डों में 30 ई-लाईब्रेरी बनाई जाना प्रस्तावित किया है। जिला परिषद की चेयरपर्सन ज्योति शर्मा ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि ये ई-लाईब्रेरी खण्ड इसराना में ग्राम पंचायत इसराना, बापौली में बेगमपुर, ताहरपुर, डाडौला, गढ़ी भलौर, खण्ड मडलौडा में धर्मगढ़, कवी, नैन, ऊंटला, वैसर और उरलाना कलां, खण्ड पानीपत के राजाखेड़ी, शिमला मौलाना और खौतपुरा गांव में बनाई जाएंगी। ज्योति शर्मा ने बताया कि इसी तरह खण्ड समालखा के बिलासपुर,

छदिया यूसूफपुर, देहरा, ढिण्डार, गढ़ी त्यागान, ढौढपुर, हलदाना, जौरासी खालसा, जौरासी खास, मनाना, नामुण्डा, नारायणा, पावटी, शहर मालपुर और वजीरपुर टिटाना व सनौली खुर्द के कुराड़ व जलालपुर गांव में भी ई-लाईब्रेरी की स्थापना की जाएगी। उन्होंने बताया कि ये ई-लाईब्रेरी बच्चों के भविष्य को सुधारने और पढाई के प्रति उनकी रूचि पैदा करने के लिए काफी सहायक सिद्ध होगी। वहीं जिला परिषद की चेयरपर्सन ज्योति शर्मा व वाईस चेयरमैन आर्य सुरेश मलिक ने बताया कि यही नहीं इन लाईब्रेरी में सामान्य ज्ञान तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर पुस्तकें भी उपलब्ध होंगी। इस लाईब्रेरी में इंटरनेट क्नैक्शन को भी जोड़ा जाएगा ताकि बच्चे विश्व ज्ञान को भी समेट सकें।

उपायुक्त ने वन स्टॉप सेंटर की प्रगति की समीक्षा बैठक की

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को हर महीने की अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी दिये निर्देश

टीम एक्शन इंडिया/पंचकूला **उपायुक्त डॉ.** प्रियंका सोनी की अध्यक्षता मे जिला सचिवालय के सभागार में बेटी पढाओ-बेटी बचाओ एवं वन स्टॉप सेंटर की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला के विभिन्न गांवों में लिंगानुपात पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने जिन गांवों में लड़कियों की जन्म संख्या की कम है उन गांवों में विशेष फोकस रख कर अभियान चला कर लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को हर महीने की अपनी प्रगति रिपोर्ट

प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बैठक में विभाग द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के बारे में उपायुक्त को विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने बेटी बचायो बेटी पढ़ायो स्कीम के बारे बताते 534 आंगनवाड़ी केन्द्रों की वर्ष 2022-23 का गाँव वाइज सेक्स रेश्यो का डाटा प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कम सेक्स रेश्यो वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों में गाँव स्तरीय मीटिंग ली जाये तथा रिपोर्ट तैयार शिविर लगा कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए।

इसके अतिरिक्त जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा वन स्टॉप स्कीम के बारे जानकारी दी। वन स्टॉप सेंटर में कानूनी सहायता, काउंसलिंग, चिकित्सा कि सुविधा तथा पांच दिन का अस्थाई आश्रय भी प्रदान किया जाता हैं। वर्ष 2019 से सेक्टर 16 में स्थाई तौर पर बन रही वन स्टॉप सेंटर की ईमारत के निर्माण कार्य बारे चर्चा की गई ,जिसका कार्य पूर्ण होने वाला है। उपायुक्त ने निर्माण कार्य को शीघ्र अति शीघ्र पूरा करवाया जाए ताकि वन स्टॉप सेंटर की इमारत का उद्घाटन करवाकर वन स्टॉप सेंटर को सेक्टर 16 में शिफ्ट किया जाये तांकि पीड़ित महिलाओं को न्याय व सुविधाएँ प्रदान की जा सकें।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गगनदीप सिंह, नगराधीश गौरव चैहान, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति बलजीत कौर, स्वास्थ्य विभाग की ओर से डिप्टी सीएमओ डॉ स्नेह और पीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. विकास के अलावा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

काई इंडिया ने सुपीरियर जापानी तकनीक के साथ महिलाओं के लिए लॉन्च किया नया के4 सॉफ्ट रेजर

नई दिल्ली। गर्मियां आते ही महिलाओं में हेयर रिमूवल की मांग बढ़ जाती हैं आपकी इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए जापान के प्रमुख रेजर एवं ब्यूटी टूल्स के

ब्राण्ड काई ने लॉन्च किया है के4 सॉफ्ट रेजर, जिसमें बेहतर जापानी तकनीक और नवीन विशेषताएं हैं। के4 सॉफ्ट रेजर एक डिस्पोजेबल रेजर है जो पैरों, अंडरआर्म्स और बिकनी क्षेत्र के बालों को हटाने का एक आरामदायक और सहज अनुभव प्रदान करता है। इसके चार उच्च-गुणवत्ता वाले ब्लेड सुनिश्चित करते हैं कि आपकी त्वचा असाधारण रूप से स्मूथ बनी रहे। के4 सॉफ्ट रेजर के अल्ट्रा-थिन ब्लेड त्वचा पर आसानी से चलता है, जिससे शेविंग आसान हो जाती है। उपयोग के बाद, ब्लेड को धोना आसान होता है, यह सुनिश्चित करता है कि रेजर स्वच्छ और लंबे समय तक चलने वाला बना रहे। तो अब आप काई इंडिया के के4 सॉफ्ट रेजर के साथ घर में आराम से बैठकर पेनलैस हेयर रिमुवल का लुत्फ उठा सकती हैं। इसका हैण्डल बेहतरीन ग्रिप देता है, जिससे इनके इस्तेमाल से किसी तरह की जलन या कटने की संभावना भी नहीं रहती। के4 सॉफ्ट रेजर के लॉन्च पर बारे में बात करते हुए, काई इंडिया के प्रबंध निदेशक, राजेश यू. पंड्या ने कहा, "हमारा नया के4 सॉफ्ट रेजर उन महिलाओं के लिए एक उत्कृष्ट समाधान है जो अपने हेयर रिमूवल की जरूरतों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रेजर की तलाश में हैं। के4 सॉफ्ट रेजर का डिजाइन और बेहतर जापानी तकनीक बालों को हटाने को आसान बनाती है।

प्रतापगढ़ विद्यालय में योग प्रशिक्षण शिविर आज संपन्न

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र(दलबीर मलिक) **भारतीय** योग संस्थान के अर्जुन योग जिला के तत्वावधान में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, प्रतापगढ़ में आयोजित पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन आज भारतीय योग संस्थान पंजीकृत की हरियाणा प्रांत इकाई के प्रांतीय प्रेस प्रवक्ता गुलशन कुमार ग्रोवर द्वारा शिविर में उपस्थित सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को योगाभ्यास करवाया गया । संस्थान के अर्जुन योग जिला, कुरुक्षेत्र इकाई के प्रधान मनीराम सैनी ने सभी आसनों, प्राणायाम व ध्यान साधना का सुंदर प्रदर्शन किया । आज आसनों के क्रम में ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, वृक्षासन, कटिचक्रासन, पद्मासन, पश्चिमोत्तानासन, कोणासन व वज्रासन करवाए गए। गहरे लंबे श्वासों के अभ्यास के बाद विद्यार्थियों को अनुलोम विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम करवाये गये । विद्यार्थियों को उनके लिए उपयोगी प्रत्येक आसन, प्राणायाम, गहरे लंबे श्वास व ध्यान साधना के लाभ भी बताए गए। अंत में ध्यान साधना में सभी प्रतिभागियों ने शांत मन से ओम का उच्चारण किया। ध्यान साधना के समय और कुछ देर बाद तक वातावरण शांत बना रहा।

खेलों में भाग लेने से छात्रों का शारीरिक के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है : ऊषा

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र(दलबीर मलिक)आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीपला कलस्टर होने के नाते वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का संचालन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में आज अंडर 14, अंडर 17, अंडर 19 वर्षीय छात्रों की कबड्डी करवाई गई ।कलस्टर में आने वाले सभी स्कूलों के टीम इंचार्ज मौजूद रहे । प्रतियोगिता का शुभारंभ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीपला की प्रिंसिपल

श्रीमती ऊषा ने किया। उन्होंने सभी बच्चों को प्यार की भावना से खेलने पर जोर दिया प्रिंसिपल ऊषा ने कहा कि खेलों से छात्रों में भाईचारा, प्रतिस्पर्धा और अनुशासन का भाव पैदा होता है। खेल प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्रों का शारीरिक विकास होने के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। इसलिए सभी छात्र समय-समय पर खेल प्रतियोगिताओं में भाग लें । सभी अभिभावकों से भी आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को खेलों के प्रति भी प्रेरित करें ।आज देखने में आ रहा है कि खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतकर अपने देश, अपने प्रदेश, अपने गांव, अपने माता-पिता और अपने गुरुजनों का नाम रोशन कर रहे हैं।

'गरीब लोगों को तंग करने वाले अफसर अपनी हरकतों से बाज आये'

टीम एक्शन इंडिया/पंचकुला **श्रम विभाग के अंतर्गत आने** वाले भवन निर्माण से जुड़े मजदूरों के कल्याण हेतू बनाये गये बोर्ड के अधिकारियों की मनमानी व बेरूखी से तंग आकर पंचकुला सेक्टर 20 आशियाना के काफी लोग जिनमे महिलाए भी शामिल थी सहायता हेतू जजपा पंचकुला के शहरी जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग से मिले व उनको अपना दुखड़ा सुनाया। उनके साथ आए मास्टर रंजीत कुमार,मजदूर एवं कर्मचारी नेता महेंद्र शर्मा ने जजपा जिला अध्यक्ष को बताया कि पंचकुला में भवन निर्माण से जुड़े सेंकड़ों गरीब मजदूर लोग सरकार से मिलने वाली अर्थिक सहायता न मिलने के कारण सालों से धक्के खा रहे हैं तथा उनकी कोई सुद लेने वाला नहीं है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार ने भवन निर्माण से जुड़े मजदूरों, राज मिस्त्रियों तथा उन पर आश्रित परिवार के अन्य सदस्यों के कल्याण के लिये भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का गठन कर रखा है । इस बोर्ड का मुख्य कार्य भवन निर्माण से जुड़े गरीब लोगों को इस कार्य में प्रयोग होने वाले औजार ,साइकिल, महिलाओं को गुजारा चलाने के लिये सिलाई मशीन, उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए वजीफा व किताबें , शादी या कार्य के दौरान कोई अनहोनी होने पर आर्थिक सहायता देने का होता है।

जजपा से जुड़े मजदूर कर्मचारी नेता महेंद्र शर्मा व रंजीत कुमार ने बताया कि सालों से पंचकुला की राजीव कालोनी, इंदिरा कालोनी ,खड़क मंगोली तथा अन्य गांवों के हजारों लोग भवन निर्माण से जुड़े कार्यों में मजदूरी करके अपने परिवारो का पालन-पोषण कर रहे हैं तथा सरकार ने भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का गठन करके जरूरत पड़ने पर नियमानुसार उनको अर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया हुआ है। ये सहायता लेने के लिए पात्र व्यक्तियों द्वारा फॉर्म भरकर विभाग के अधिकारियों के पास जमा करवाए जाते हैं तथा ये आवदेन ऑनलाइन भी किए जाते हैं। परंतु बोर्ड के कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा गरीब व अनपढ़ मजदूरों को बहुत तंग किया जाता है उनके बार बार चक्कर कटवाए जाते हैं। महेंद्र शर्मा ने जजपा जिला अध्यक्ष सिहाग को बताया कि बहुत से मजदूरों के 3-4 सालों से केस बकाया पड़े हैं, परंतु बोर्ड के कर्मचारी अधिकारी अधूरे फॉर्म भरे होने का बहाना बना कर इन गरीब लोगों को धक्के खाने को मजबूर कर देते हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी दलाल के माध्यम से उनको रिश्वत दी जाती है तो ये काम तुरंत हो जाता है।

प्रॉपर्टी आईडी में सुधार के लिए सरकार ने लॉन्च किया पोर्टल

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत **शहरी** क्षेत्रों में प्रॉपर्टी आईडी अपडेट करने के लिए प्रदेश सरकार ने शहरवासियों को बड़ी राहते देते हुए पोर्टल लॉच किया है। जिस पर कोई भी शहरवासी अपनी प्रॉपर्टी डाटा को अपडेट या सत्यापित कर सकता है। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त राहुल नरवाल ने दी। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी में त्रुटियों के कारण अक्सर आमजन को नगर निगम में खासी परेशानी उठानी पड़ती थी, लेकिन अब सरकार द्वारा जनहित में प्रॉपर्टी आईडी सम्बंधित समस्याओं के

8 नागरिकों को क्यूआर कोड से खुलने वाले पोर्टल पर अपनी प्रॉपर्टी सम्बंधित व अन्य आवश्यक जानकारी देनी होगी

समाधान के लिए स्वयं प्रॉपर्टी मालिक को ही अपनी प्रॉपर्टी डाटा सत्यापन व अपडेट का विकल्प देकर राहत प्रदान की है। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर जाने के लिए नागरिकों को क्यूआर कोड स्कैन करना होगा। शहरी निकाय विभाग की ओर से नई प्लानिंग के तहत क्यूआर कोड जारी किया गया है। यह विभाग की वेबसाईट पर भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि सम्बंधित व्यक्ति खुद कहीं से भी प्रॉपर्टी आईडी में बदलाव की प्रक्रिया पूरी कर सकता है। नागरिकों को क्यूआर कोड से खुलने वाले पोर्टल पर अपनी प्रॉपर्टी सम्बंधित व अन्य आवश्यक जानकारी देनी होगी। उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड स्कैन करने पर शहरवासी यूएलबीएचआरवाईएनडीसीडॉटओ आरजी पोर्टल पर प्रॉपर्टी आईडी का डेटा देख सकेंगे। विभाग द्वारा अपने स्तर पर प्रॉपर्टी का मिलान किया जा रहा है। उन्होंने शहरी

5 आसान होममेड लिप स्क्रब बनाएंगे होंठों को खूबसूरत

जब बात लिप स्क्रब की आती है, तो अधिकतर लोगों का ध्यान बाजार के प्रोडक्ट्स पर ही जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं, आप घर पर भी कई आसान तरीके से अलग-अलग फ्लेवर के लिप स्क्रब बना सकते हैं। ये लिप स्क्रब आपके होंठों को नर्म, मुलायम व खूबसूरत बना देंगे, तो आइए जानते हैं इन्हें बनाने का तरीका।

मिंट लिप स्क्रब: यह स्क्रब एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, क्योंकि इसमें मौजूद चीनी व पुदीना आपके रक्त संचार को बढ़ाकर होंठों को खूबसूरत बनाता है। यह आपके होंठों को नर्म व मुलायम बनाता है। इसे बनाने के लिए आपको दो चम्मच जैतून या नारियल के तेल में दो चम्मच चीनी मिलाएं। इन दोनों को अच्छे से मिलाने के बाद पांच से सात बूंदें पुदीना का तेल मिलाएं और अब इस मिश्रण में अंगूर के बीज का तेल मिलाएं। इसके बाद आप इस स्क्रब को अपने होंठों पर कुछ मिनट तक आराम से स्क्रब करें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। ऐसा करने से आपके होंठ नर्म रहेंगे। अंगूर के तेल में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, यह आपके होंठों को मॉइश्चराइज रखता है।

ब्राउन शुगर और हनी का लिप स्क्रब: शहद आपके होंठों के लिए फायदेमंद होता है, यह आपके होंठों को फटने से बचाता है। आप ब्राउन शुगर और हनी का लिप स्क्रब बनाने के लिए एक चम्मच शहद के साथ एक चम्मच ब्राउन शुगर मिलाएं। अब आप इसमें चाहें तो लैवेंडर का तेल या फिर नारियल के तेल को भी मिला सकते हैं। अच्छे से मिलाने के बाद आप इस स्क्रब को अपने होंठों पर अप्लाई करें और दो या तीन मिनट तक रब करें। इसके बाद आप अपने होंठों को गुनगुने पानी से धो लें। लैवेंडर व नारियल का तेल आपके होंठों को पोषण देगा।

चॉकलेट लिप स्क्रब: चॉकलेट लिप स्क्रब आपके होंठों को मॉइश्चराइज करेगा और टैन भी हटाएगा। आपको यह स्क्रब बनाने के लिए आपको एक बाउल में एक चम्मच कोको पाउडर, दो चम्मच ब्राउन शुगर, एक वनीला एक्सट्रैक्ट, तीन चौथाई चम्मच शहद, दो चम्मच जैतून का तेल डालना है। अब इस मिश्रण को आपको अच्छे से मिक्स करके अपने होंठों पर हल्के हाथों से थोड़ी देर रब करना है। इसे थोड़ी देर अपनी होंठों पर लगा रहने दें। उसके बाद आप इसे गुनगुने पानी या फिर कॉटन से साफ कर लें। वनीला एक्सट्रैक्ट में एंटी- एजिंग और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद है। यह आपके होंठों को होने वाले नुकसान से बचाता है।

दाल चीनी का लिप स्क्रब: अगर आपके होंठ छोटे हैं और आप अपने होंठों को मोटे दिखाना चाहते हैं, तो यह लिप स्क्रब आपके लिए फायदेमंद होगा। दालचीनी में प्राकृतिक तरीके से आपके होंठों को मोटा और आकर्षित दिखा सकती है। इसके अलावा दालचीनी में एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर है और इसके इस्तेमाल से आपके होंठ उभरे व मुलायम दिखेंगे। आपको इसे बनाने के लिए आधा चम्मच दालचीनी पाउडर को आधा चम्मच शहद के साथ अच्छे से मिक्स करना है। उसके बाद आपको उसमें आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाना है। अच्छे से मिल जाने के बाद आपको इसे अपने होंठों पर अच्छे से रब करना है। जिससे आपके होंठों की डेड स्किन निकल जाएगी। इसके बाद आप अपने होंठों को गुनगुने पानी से धो सकते हैं।

संतरे के छिलके का लिप स्क्रब: संतरे के छिलके से आप अपने चेहरे ही नहीं बल्कि अपने होंठों के लिए भी स्क्रब बना सकते हैं। संतरे के लिप स्क्रब से आप अपने होंठों के रंग में निखार ला सकते हैं। यह स्क्रब आपके होंठों को मुलायम व खूबसूरत बनाता है।

खाली पेट सोना हो सकता है घातक

कई लोगों को लगता है कि रात के समय शरीर को खाने की जरूरत नहीं होती है। लेकिन ये बहुत गलत है इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

आधुनिक जीवन में लोग अपने काम के अलावा किसी और बात का ध्यान रखना भूल ही जाते हैं। काम के प्रेशर और थकान भरे दिन के बाद हम में से अधिकतर लोग रात के समय बिना खाए ही सो जाते हैं। वहीं कुछ लोग मोटापे के डर से रात में खाना नहीं खाते हैं। लेकिन बिना कुछ खाए सोने की आदत सेहत को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। वहीं, खाली पेट सोने से कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

आइए जानते हैं खाली पेट सोने से शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचता है।कई लोगों को लगता है कि रात के समय शरीर को खाने की जरूरत नहीं होती है। शरीर 24 घंटे एनर्जी प्रोड्यूस करता है और हर समय कैलोरी बर्न करने का काम करता है। इसके लिए शरीर को न्यूट्रिएंट्स की जरूरत पड़ती है। हेल्थ सोर्स के मुताबिक जो पुरुष रात को सोने से पहले प्रोटीन शेक का सेवन करते हैं, वो दूसरे लोगों के मुकाबले ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं। इसी तरह रात को खाली पेट सोने से अगले दिन थकान महसूस हो सकती है, जिससे काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। जिन लोगों को रात का खाना खाए बिना ही सोने की आदत होती है, उनके मेटाबॉलिज्म पर बुरा असर पड़ता है। इससे शरीर का इंसुलिन लेवल भी प्रभावित होता है। इसके अलावा खाली पेट सोने से कोलेस्ट्रोल और थायरॉयड लेवल भी बिगड़ता है। यह आदत कई बीमारियों का शिकार बना सकती है। खाली पेट सोने से देर रात भूख की वजह से पेट दर्द हो सकता है, जिससे आपकी नींद में भी खलल पड़ सकता है। इसलिए अगर आप सुकून भरी नींद लेना चाहते हैं तो बिना आहार लिए ना सोएं। मोटापे से पीड़ित कई लोगों को ऐसा लगता है, कि रात को खाली पेट सोने से वजन जल्दी कम होता है। आपको भी अगर ऐसा लगता है तो आप गलत हैं। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट रात के समय हल्का खाना खाने की सलाह देते हैं। लेकिन बिना खाए सोना सेहत को नुकसान पहुंचाने के साथ वजन भी बढ़ाता है।

रेसिपी

मैंगो राइस

सामग्री

■ 100 ग्राम चावल ■ 100 ग्राम कच्चा आम घिसा हुआ ■ 4 साबुत लाल मिर्च ■ आधा चम्मच पिसी हुई हल्दी ■ 1 चम्मच सूखे नारियल की कतरन ■ 1 चम्मच चना दाल ■ 2 चम्मच मूंगफली के दाने ■ कढ़ी पत्ते ■ थोड़ी सी राई ■ चुटकीभर हींग ■ स्वादानुसार नमक ■ घी

विधि

चावल को अच्छे से साफ करके पानी में कुछ देर के लिए भिगो कर रख दें। फिर चावल में घी और नमक मिलाकर पकाने रख दीजिए। मिक्सर में आधी राई, 3 साबुत लाल मिर्च, हल्दी, सूखा नारियल, हींग, नमक और आधी कैरी मिलाकर पीस लीजिए। फिर एक कढ़ाही में तेल गर्म करके बची हुई राई, चना दाल और बची हुई साबुत लाल मिर्च तड़का लीजिए। अब इसमें मूंगफली, कढ़ी पत्ते और बची हुई कैरी डालकर 5 मिनट मध्यम आंच पर पकने दीजिए। 5 मिनट बाद इसमें मसाले का पेस्ट डालिए और 5 मिनट कम आंच पर पका लीजिए। जरूरत पड़ने पर थोड़ीथोड़ी देर में इसे चलाते रहें। अंत में इसमें पके हुए चावल डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए।

मसाला पास्ता

सामग्री

■ पास्ता- 1 कप ' पानी- उबलने के लिए ' नमक- 1/2 चम्मच ■ तेल- 1 चम्मच ' बटर- 1 चम्मच ■ बारीक कटा लहसुन- 1 चम्मच ■ बारीक कटा अदरक- 1 चम्मच ■ बारीक कटा प्याज- 1/2 ■ टमाटर प्यूरी- 1 कप हल्दी- 1/4 चम्मच ■ कश्मीरी लाल मिर्च- 1/2 चम्मच ■ टोमैटो सॉस- 2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ नमक- 1/2 चम्मच ■ स्वीटकॉर्न- 2 चम्मच ■ बारीक कटी शिमला मिर्च- 1/4 कप ■ बारीक कटा गाजर- 1/4 कप ■ मटर- 2 चम्मच ■ ब्रोकली- 5 कलियां ■ पानी- 3 चम्मच

विधि

पास्ता को उबालकर पानी से निकालकर रख लें। पैन में तेल और बटर गर्म करें और उसमें अदरक-लहसुन को कुछ देर फ्राई करें। पैन में प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें। टोमैटो प्यूरी डालकर प्यूरी के गाढ़ा होने तक पकाएं। अब पैन में हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और नमक डालें। मसालों को अच्छी तरह से भूनें। अब पैन में कॉर्न, शिमला मिर्च, गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर कुछ देर तक पकाएं। तीन चम्मच पानी डालकर मिलाएं। पैन को ढककर सब्जियों को धीमी आंच पर पांच मिनट तक पकाएं। टोमैटो सॉस डालकर मिलाएं। अब उबला हुआ पास्ता डालें और धीमी आंच पर अच्छी तरह से मिलाते हुए पकाएं। गैस ऑफ करें और गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी होगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय होगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय लाभकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कु घ ङ छ के को ह): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में न पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में आवश्यक ढील नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हु हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रयास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों में लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार होंगे। यात्रा शुभ होगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ होगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। व्यर्थ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। बंधुजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएं।

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

काकुरो पहेली - 4034

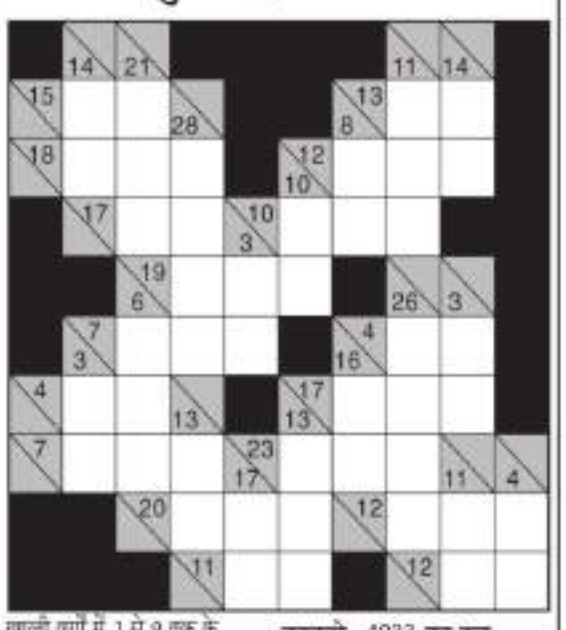

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आये वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4033 का हल

फिल्म वर्ग पहेली-4034

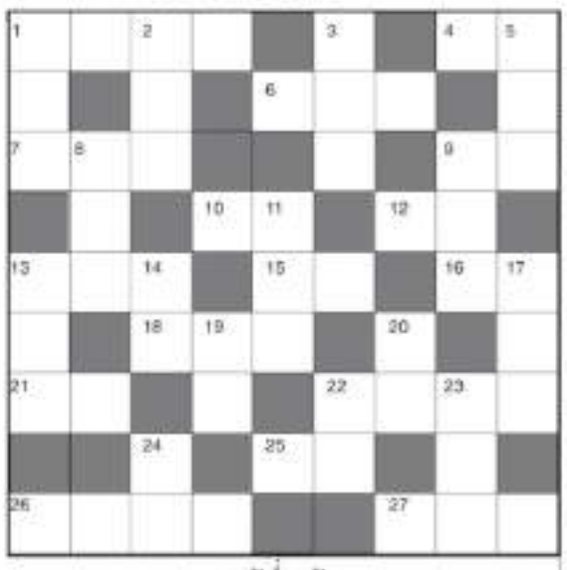

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, नीना की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने की' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है ज़ुल्फी है' गीत वाली आफताब, जूही मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सेक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पूजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेरॉय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'पहला' की नायिका कौन थी-४
२२. 'ठुमका रे ठुमका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेंद्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अलहड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ऊर्मि सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आंखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जाने जाने रैने में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-२
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'कसे तेरी अँखियाँ' गीत वाली सनी, कैफी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'वो ना रहे हम' गीत वाली धर्मेंद्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-३
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. आमिर, अयान, आसमा की 'बादल चौंधे बादले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4033

सूडोकु -4034

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4033 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -4034

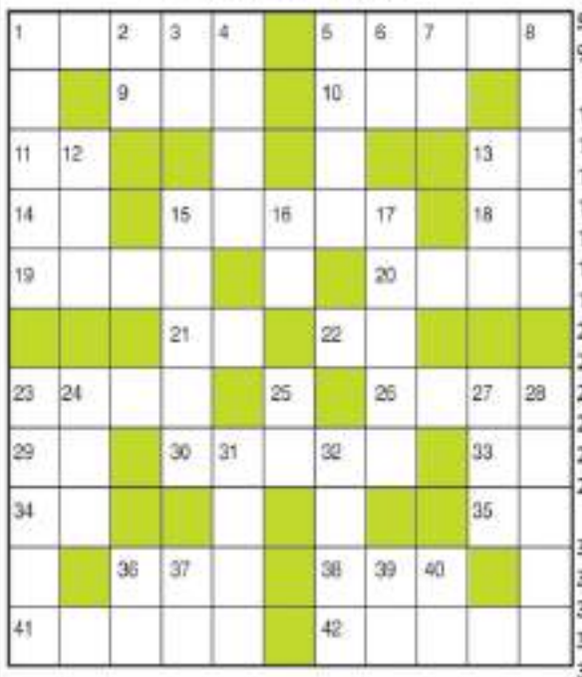

बाएं से दाएं

1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना, रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम, प्यार-2
13. थोड़ा, कम-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन, संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. मद, अच्छा-2
22. दम, ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. उत्साह-4
29. माईल, दूरी नापने की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाप (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक, चित्ताकर्षक-5
2. वैभव, मधुर-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ, कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. मही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता, बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न, नग-2
37. टी, चाय-2
39. याचिका, वाद (अंग्रेजी-2)
40. वहम, संदेह-2

शब्द पहेली 4033 का हल

अभिनव ने की धुआंधार बल्लेबाजी, शैला देवी ने जीता मैच

लखनऊ। सेकेंड अंडर-25 लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में शैला देवी स्पोर्ट्स क्लब ने आशा स्पोर्ट्स फाउंडेशन को पांच विकेट से हराकर बढ़त बना ली। इस प्रतियोगिता में शैला के बल्लेबाज अभिनव सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 92 बाल पर 78 रन बनाये। आशा स्पोर्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 196 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज विभोर पांडेय एक रन बनाकर ही पवेलियन वापस लौट गये। वहीं आकाश त्रिवेदी ने 97 रन का योगदान दिया। वहीं शैला देवी की टीम ने पांच विकेट गवांकर ही 197 रन बना लिये और पांच विकेट से मैच को जीत लिया। सलामी बल्लेबाज सचिन आठ रन बनाकर आउट हो गये। वहीं अभिनव सिंह ने आठ चौका की मदद से 92 बाल पर 78 रन बनाये। वहीं रोहित ने 46 रन का योगदान दिया।

नैपोली ने युवेंटस को हराया, अगले सप्ताह जीत सकता है सेरी ए का खिताब

रोम। गियाकोमो रास्पदोरी के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से नैपोली ने युवेंटस को 1-0 से हराया और वह अगले सप्ताह इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का खिताब अपने नाम कर सकता है। इस जीत से नैपोली ने दूसरे नंबर पर काबिज लाजियो पर 17 अंक की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। नैपोली के अब 31 मैचों में 78 अंक हो गए हैं जबकि लाजियो के इतने ही मैचों में 61 अंक है। युवेंटस 31 मैचों में 59 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। अगर नैपोली अगलेअपने घरेलू मैदान पर सलेर्निटाना को हरा देता है और इंटर मिलान उसी दिन बाद में लाजियो को जीत दर्ज करने से रोक देता है तो फिर नैपोली छह दौर पहले ही खिताब अपने नाम कर लेगा। यह पिछले तीन दशक से भी अधिक समय में पहला अवसर होगा जबकि नैपोली सेरी ए का खिताब जीतेगा। एक अन्य मैच में इंटर मिलान ने रोमेलु लुकाकू के दो गोल की मदद से इंपोली को 3-0 से पराजित किया।

हमने हमेशा विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा : धोनी

कोलकाता। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हराने के बाद कहा कि उनके गेंदबाजों ने अच्छा काम किया और विरोधी टीम को लगातार दबाव में रखा।

धोनी ने मैच के बाद कहा, ''हां, तेज गेंदबाज और स्पिनर अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। हमने हमेशा विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा और अगर आप उनके बल्लेबाजी क्रम को देखें, तो उनके पास निचले क्रम में बड़े हिटर हैं और हम उनका सम्मान करते हैं।'' बेन स्टोक्स और दीपक चाहर जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के चोटिल होने के संदर्भ में धोनी ने कहा, '' मैं इसे सरल रखता हूं। जो भी चोटिल हो, वह कुछ नहीं कर सकता। मैं देखता हूं कि कौन बेहतर तरीके से तैयार दिखता है और मैं देखता हूं कि कौन मौका पा सकता है और उसे प्रेरित कर सकता है। मुझे आशा है कि यह जारी रहेगा - चोटें नहीं बल्कि प्रदर्शन (हंसते हुए)।'' नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा से स्वीकार किया कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने के कारण इतने बड़े लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं था। राणा ने कहा, ''हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही। हमने पावरप्ले में काफी कम रन बनाए और पावर प्ले में इतने कम रन बनाने के बाद इतने बड़े लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं होता। अजिंक्य (रहाणे) ने एक बार फिर शानदार पारी खेली।'' राणा ने कहा कि उनकी टीम अपनी गलतियों से सबक नहीं ले रही है और लगातार गलतियां दोहरा रही है। उन्होंने कहा, ''हमारी टीम अपनी गलतियों से सीख नहीं रही है। हम इतने बड़े टूर्नामेंट में इतनी बड़ी टीमों के खिलाफ लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जो परेशानी का सबब है। हम टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर रहे हैं। यह पचा पाना मुश्किल है कि इस पिच पर 235 रन बन गए।''

आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को सात रन से हराया

बैंगलोर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल-2023) में खेले गए 32वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने राजस्थान रॉयल्स को 7 रन से हरा दिया। मुकाबले में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 189 रन बनाए। जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 182 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम अंक तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई। आरसीबी को 7 मैचों में चार में जीत और तीन में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं राजस्थान की टीम 7 मैचों में 4 जीत और 3 हार के साथ अब भी अंकतालिका में नंबर एक है।

190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज जोस बटलर बिना खाता खोले आउट हो गए। मोहम्मद सिराज ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। पहला विकेट गिरने के बाद यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पडीक्कल ने पारी को संभाला। पडीक्कल ने अपना अर्धशतक पूरा कर करते हुए टीम को 100 रन के करीब ले गए। हालांकि इसके बाद वह 34 गेंदों में 52 रन बनाकर आउट हो गए। राजस्थान का तीसरा विकेट यशस्वी जायसवाल के रूप में गिरा। यशस्वी ने 37 गेंद में 47 रन बनाए। फिर 125 रन के कुल स्कोर पर कप्तान संजू सैमसन भी 15 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हो गए। इस बार शिमरोन हेटमायर भी कुछ खास नहीं कर पाए और 9 गेंदों में 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। आखिरी ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे। रविचंद्रन अश्विन ने दो बाउंड्री लगाई, लेकिन वह भी 6 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हो गए। अंत में राजस्थान 7 रन से यह मुकाबला हार गई।

आरसीबी की ओर से हर्षल पटेल ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज और डेविड विली ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, मैच में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी की। आरसीबी की शुरुआत खराब रही। मैच में कप्तानी कर रहे विराट कोहली बिना खाता खेले आउट हो गए। उन्हें तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने आउट किया। बोल्ट ने आरसीबी का दूसरा विकेट भी झटका। बोल्ट ने शाहबाज अहमद को कैच आउट किया। शाहबाज ने 4 रन बनाए। इसके बाद फाफ डुप्लेसिस ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर टीम को संभाला। दोनों ने अच्छी बल्लेबाजी की। दोनों ने अर्धशतक जमाते हुए टीम का स्कोर 13 ओवर में 130 के पार पहुंचा दिया। आरसीबी का 139 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गिरा है। फाफ डुप्लेसिस 39 गेंद में 62 रन बनाकर रन आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। आरसीबी का चौथा विकेट मैक्सवेल के रूप में गिरा। मैक्सवेल ने 44 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। मैक्सवेल का विकेट गिरने के बाद कोई और बल्लेबाज कुछ कमाल नहीं कर सका। टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बनाए। महिपाल लोमरोर 8 रन, दिनेश कार्तिक 16 रन, वनिंदू हसरंगा 6 रन बनाए।

2017 में सचिन की सलाह से मुझे अपने कैरियर का विस्तार करने में मदद मिली : मिताली

नई दिल्ली। दो दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शीर्ष स्तर पर खेलने वाले सचिन तेंदुलकर और मिताली राज उत्कृष्टता और लंबे कैरियर की मिसाल बन गए हैं । तेंदुलकर ने लोगों को क्रिकेट से प्यार करना सिखाया तो मिताली महिला क्रिकेट की पहली सुपरस्टार हैं । हालांकि ऐसे महान खिलाड़ियों के कैरियर में भी उतार चढ़ाव आते रहे हैं । तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन से पहले मिताली ने उनसे पहली बार बातचीत, अपनी बल्लेबाजी पर उनके प्रभाव और उनसे मिली सलाह से खेल में सुधार के अनुभव को साझा किया । मिताली ने कहा ,'' मुझे अभी भी याद है जब 2017 में इंग्लैंड में विश्व कप से पहले मैंने उनसे बात की थी ।

मैं उनसे पूछना चाहती थी कि उनका कैरियर इतना लंबा कैसे रहा है और युवा पीढ़ी के नये गेंदबाजों का सामना करने के लिये वह क्या करते हैं ।' उन्होंने कहा ,'' जब आपका कैरियर लंबा होता है तो हर पीढ़ी में बेहतरीन गेंदबाज आते हैं । मैं जानना चाहती थी कि उन्होंने इससे तालमेल कैसे बिठाया । उम्र के साथ लोग बात करने लगते हैं कि आपका फुटवर्क धीमा हो गया है और आप गेंद को तेजी से भांप नहीं पाते ।' उन्होंने कहा ,''मैं जानना चाहती थी कि वह इन चीजों से कैसे निपटते हैं । उन्होंने सुझाव दिये जिन पर मैंने अमल किया ।' मिताली ने 2017 विश्व कप में 409 रन बनाये और उनकी कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा । मिताली ने बताया कि उन्होंने सचिन से तकनीक के बारे में नहीं बल्कि खेल के मानसिक पहलू पर बात की थी । उन्होंने कहा ,'' हमने तकनीक के बारे में ज्यादा बात नहीं की क्योंकि सभी की तकनीक अलग होती है । इतने लंबे समय तक खेलने के कारण आप सीनियर होने के नाते जो सलाह दे सकते हैं, वह उन्होंने दी । उस समय मुझसे अपेक्षायें काफी अधिक थी । खतौर बल्लेबाज और बतौर कप्तान भी ।'

मिताली की सचिन से पहली मुलाकात 2002 में हुई थी जब उन्होंने महिला टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड बनाया था । मिताली ने कहा ,'' 2002 में कैस्ट्रोल पुरस्कारों में मुझे सम्मानित किया गया । तेंदुलकर मुझसे मेरी तैयारियों और सुविधाओं के बारे में जानना चाहते थे । उस समय हम बीसीसीआई की छत्रछाया में नहीं थे । वह जानना चाहते थे कि मैं टर्फ विकेट पर ज्यादा खेलती हूं या मैट विकेट पर ।'

इतनी बड़ी टीम के आगे गलतियां करोगे तो आप हार जाओगे : नीतिश राणा

बेंगलुरु। आईपीएल 2023 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स पर 49 रनों की बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 236 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में कोलकाता 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 186 रन ही बना पाई। टीम की हार के बाद कप्तान नीतिश राणा ने कहा कि पावरप्ले में टीम रन नहीं जुटा पाई। इसके साथ उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने इतनी बड़ी टीम के आगे काफी गलतियां की, जिसका नतीजा मैच में भुगतना पड़ा। नीतिश राणा ने कहा, 'यह हार पचाना मुश्किल है। 236 रनों का पीछा करना हमेशा मुश्किल होता है, खासकर अगर आप पावरप्ले में अच्छा नहीं करते हैं। अजिंक्य रहाणे को श्रेय देना होगा। जैसा कि मैंने कहा, यह पचा पाना मुश्किल है कि हमने हमने इतना बड़ा स्कोर बनने दिया। हमारे पास कुछ सकारात्मक चीजे है, लेकिन अगर आप नहीं सुधरे। इतनी बड़ी टीम के खिलाफ अगर आप गलतियां दोहराते रहेंगे तो आप हार जाओगे।'मैच की बात करें तो अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे के अर्धशतक और दोनों के बीच तेजतर्रार अर्धशतकीय साझेदारी से चेन्नई सुपरकिंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हराकर अंक तालिक में शीर्ष पर पहुंच गया।

तीरंदाजी विश्वकप: भारत में कंपाउंड मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीता

अंताल्या। ज्योति सुरेखा वेनम और उनकी जोड़ीदार ओजस देवताले ने यहां चीनी ताइपे की टीम को 159-154 से हराकर विश्वकप तीरंदाजी के पहले चरण में कंपाउंड मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला। भारत का यह मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले ज्योति और अभिषेक वर्मा ने पेरिस में 2022 में विश्वकप के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीता था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे वर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया तथा 16 निशानों में से 15 निशाने सही लगाकर अपनी 12वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदी टीम को एकतरफा फाइनल में आसानी से हराया। ज्योति और 20 वर्षीय देवताले की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गवाया नहीं तो स्कोर 160 में से 160 होता। ज्योति और देवताले ने लगातार 'परफेक्ट 10' का स्कोर बनाया और जल्द ही 120-116 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर आसानी से पहला स्थान हासिल किया।

मैच जिताऊ पारी खेल मैक्सवेल बोले - मुझे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद हैं

बेंगलुरु। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 44 गेंद में 77 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के आक्रामक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग की इस टीम और ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करना पसंद है। मैक्सवेल ने अपनी पारी में छह चौके और चार छक्के लगाने के अलावा फाफ डु प्लेसी (39 गेंद में 62 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। मैक्सवेल ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, '' यह ऐसा क्रम (चौथा स्थान) है जहां बल्लेबाजी करने में मुझे कोई परेशानी नहीं होती। मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए भी जल्दी विकेट गिरने के बाद इस क्रम पर बल्लेबाजी की है। उन्होंने (आरसीबी) मुझे मैदान पर जाकर अपने मुताबिक बल्लेबाजी करने की छूट दी है। मै अच्छे फॉर्म के साथ यहां आया था। टीम ने मुझ पर भरोसा जताया, जिससे फर्क पड़ता है। नयी गेंद थोड़ा रुक कर आ रही थी इसलिए हमने तेजी से रन बनाने पर ध्यान दिया। मुझे लगता है कि जिस तरह से हमने पावरप्ले को समाप्त किया, उसने बड़े स्कोर की नींव पड़ी। आखिरी ओवरों में हालांकि हमने तेजी से विकेट गंवाये।' आरसीबी के कार्यवाहक कप्तान विराट कोहली ने भी मैक्सवेल और डु प्लेसी के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और हर्षल पटेल की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''टॉस के समय हम भी सोच रहे थे कि पहले बल्लेबाजी करें या नहीं क्योंकि पिच सूखा था। लेकिन हमें पता था कि बाद में दूधिया रोशनी में आखिरी 10 ओवरों में बल्लेबाजी मुश्किल होगी। मैक्सवेल और डु प्लेसी ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। हमें लगा था कि इस पिच पर 160 रन काफी होंगे लेकिन वे टीम को 190 के करीब तक ले गये।'

नाइट राइडर्स को 49 रन से हराकर सुपरकिंग्स शीर्ष पर

कोलकाता। अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे के अर्धशतक और दोनों के बीच तेजतर्रार अर्धशतकीय साझेदारी से चेन्नई सुपरकिंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हराकर अंक तालिक में शीर्ष पर पहुंच गया।

रहाणे (29 गेंद में नाबाद 71, पांच छक्के, छह चौके) और दुबे (21 गेंद में 50 रन, दो चौके, पांच छक्के) के बीच तीसरे विकेट की सिर्फ 32 गेंद में 85 रन की साझेदारी से सुपरकिंग्स ने चार विकेट पर 235 रन बनाए जो ईडन गार्डन्स पर टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर है। इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (56) ने भी अर्धशतक जड़ा। सुपरकिंग्स ने अंतिम आठ ओवर में 126 रन जुटाए।

इसके जवाब में नाइट राइडर्स की टीम जेसन रॉय (26 गेंद में 61 रन, पांच छक्के, पांच चौके) और रिंकू सिंह (33 गेंद में नाबाद 53, तीन चौके, चार छक्के) के अर्धशतकों के बावजूद आठ विकेट पर 188 रन ही बना सकी। सुपरकिंग्स की ओर से ऑफ स्पिनर महेश तीक्षणा ने 32 जबकि तुषार देशपांडे ने 43 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

इस जीत से सुपरकिंग्स के सात मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। नाइट राइडर्स की टीम चार अंक के साथ आठवें स्थान पर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में एक रन के स्कोर तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों सुनील नारायण (00) और नारायण जगदीशन (01) के विकेट गंवा दिए। नारायण को आकाश सिंह ने बोल्ड किया जबकि जगदीशन ने तुषार देशपांडे की गेंद पर रविंद्र जडेजा को कैच थमाया।

कप्तान नितीश राणा (27) और वेंकटेश अय्यर (20) ने पावर प्ले में टीम का स्कोर दो विकेट पर 38 रन तक पहुंचाया। मोईन अली ने अपनी पहली ही गेंद पर अय्यर को पगबाधा किया लेकिन जेसन रॉय ने इस ऑफ स्पिनर पर लगातार तीन छक्कों के साथ शुरुआत की।राणा ने जडेजा की पहली ही गेंद पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद को गायकवाड़ के हाथों में खेल गए जिससे नाइट राइडर्स का स्कोर चार विकेट पर 70 रन हो गया।

रॉय ने ऑफ स्पिनर महेश तीक्षणा पर छक्के के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। रिंकू सिंह ने भी इस बीच जडेजा पर दो छक्के मारे।

रॉय ने मधीसा पथिराना पर चौके के साथ सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो सत्र का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। रॉय ने 15वें ओवर में तीक्षणा पर लगातार दो चौके मारे लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। नाइट राइडर्स को अंतिम पांच ओवर में 99 रन की दरकार थी। देशपांडे के अगले ओवर में 19 रन बने जिसमें रिंकू ने दो चौके जबकि आंद्रे रसेल ने एक छक्का मारा।पथिराना ने इसके बाद रसेल (09) को पवेलियन भेजा जबकि सिर्फ आठ रन दिए। देशपांडे के पारी के 18वें में 13 रन बने लेकिन इस तेज गेंदबाज ने डेविड वाइसी (01) को पगबाधा किया। नाइट राइडर्स को अंतिम दो ओवर में 59 रन की दरकार थी लेकिन तीक्षणा के 19वें ओवर में उमेश यादव (04) का विकेट गंवाने के बावजूद टीम तीन रन ही बना सकी जिससे उसकी हार निश्चित हो गई। राणा ने टॉस जीतकर सुपरकिंग्स को बल्लेबाजी का न्योता दिया जिसके बाद कॉनवे और गायकवाड़ (35) ने 7.3 ओवर में 73 रन जोड़कर एक बार फिर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन जोड़े।

गायकवाड़ ने उमेश यादव की मैच की पहली गेंद पर चौके से खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में छक्का जड़ा। कॉनवे ने भी डेविड वाइसी और वरुण चक्रवर्ती की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। गायकवाड़ ने नारायण का स्वागत लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ किया लेकिन अगले ओवर में सुयश शर्मा की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 20 गेंद का सामना करते हुए दो चौके और तीन छक्के मारे।

कॉनवे ने नारायण पर छक्के और सुयश पर एक रन के साथ 34 गेंद में लगातार चौथा अर्धशतक पूरा किया। रहाणे एक बार फिर अच्छी लय में दिखे। उन्होंने सुयश के लगातार ओवरों में चौके मारे।

टीम के रनों का शतक 11वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन अगले ओवर में कॉनवे वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लांग ऑफ पर वाइसी को कैच दे बैठे। उन्होंने 40 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। दुबे ने 13वें ओवर की अंतिम दो गेंद पर चक्रवर्ती पर छक्के मारे जबकि उमेश के अगले ओवर की शुरुआती तीन गेंद पर रहाणे ने दो छक्के और एक चौका जड़ा। दुबे ने वाइसी की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 15वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। रहाणे ने आंद्रे रसेल की गेंद पर चौके के साथ 24 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि दुबे ने खेजरोलिया पर छक्के के साथ सिर्फ 20 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की।

दुबे हालांकि खेजरोलिया की अगली गेंद पर एक और छक्का जड़ने की कोशिश में लांग ऑफ पर जेसन रॉय को कैच दे बैठे। रहाणे ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 19वें ओवर में चक्रवर्ती की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा जबकि रविंद्र जडेजा (18) ने अंतिम ओवर में खेजरोलिया पर दो छक्के मारे लेकिन फिर पवेलियन लौट गए। सुयश ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर एक विकेट चटकाए लेकिन बाकी गेंदबाजी काफी महंगी साबित हुए। खेजरोलिया (44 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

भारत के अर्जुन नें जीता शेटी जुल्दी इंटरनेशनल रैपिड शतरंज

अस्ताना ,कज़ाकिस्तान। भारत के ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें दो माह बाद इंटरनेशनल शतरंज में धमाकेदार वापसी की है और विश्व के दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में उन्होने शेटी जुल्दी इंटरनेशनल रैपिड शतरंज का खिताब बेहद शानदार अंदाज में अपने नाम कर लिया है ।12 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर 11 राउंड के इस टूर्नामेंट में अर्जुन नें अपराजित रहते हुए 9.5 अंक बनाए और इस दौरान उन्होने 3 मुकाबले ड्रॉ खेले जबकि 8 मुकाबलों में जीत दर्ज की । तीसरे दिन के खेल के पहले अर्जुन 7 अंक बनाकर एकल बढ़त पर थे और उन्होने दिन की शुरुआत टूर्नामेंट के टॉप सीड पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के व्लादिमीर क्रामनिक को मात देते हुए की इसके बाद पूर्व विश्व कप विजेता यूएसए के लेवान अरोनियन से उन्होने मुकाबला ड्रॉ खेला और अंतिम राउंड में रूस की लागनों काटेरयना को मात देते हुए शानदार अंदाज में खिताब जीत लिया । अर्जुन के इस प्रदर्शन के बाद अब रैपिड शतरंज में भी 2700 अंको के पार करते हुए शतरंज के तीनों फॉर्मेट क्लासिकल , रैपिड और ब्लिट्ज में यह आँकड़ा पार करने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे खिलाड़ी बन गए है ।

ला लिगा : मैड्रिड ने सेल्टा को हराकर बार्सिलोना पर दबाव बनाया

बार्सीलोना। रीयाल मैड्रिड ने सेल्टा विगो को 2 . 0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना पर दबाव बना दिया । मार्को असेंसियो ने ह्राफटाइम से तीन मिनट पहले गोल करके बढत बनाई । इसके बाद सेंटर बैक एडेर मिलिताओ ने 48वें मिनट में दूसरा गोल किया । इस जीत के बाद मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच सिर्फ आठ अंक का अंतर रह गया है । बार्सिलोना को तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से खेलना है । बार्सिलोना को पिछले दो मैचों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा जिससे मैड्रिड ने उसकी बढत का अंतर कम कर दिया । अन्य मैचों में रीयाल सोशिदाद ने रायो वालेकानो को 2 . 1 से हराकर चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली । पांचवें स्थान पर काबिज रीयाल बेटिस को ओसासुना ने 3 . 2 से मात दी । एथलेटिक बिलबाओ ने अल्मेरिया को 2 . 1 से हराया जबकि वाल्लाडोलिड ने गिरोना को 1 . 0 से मात दी ।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 25 अप्रैल 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

आदर्श नगर ब्राह्मण सभा ने किया

भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी ब्राह्मणों की संस्था दिल्ली प्रदेश ब्राह्मण सभा, आदर्श नगर द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसी के साथ मजलिस पार्क के राम मंदिर में पूरे विधि विधान से भगवान परशुराम जी की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा की गई। दो दिवसीय इस भव्य कार्यक्रम के पहले दिन पूरे क्षेत्र से नगर परिक्रमा निकाली गई। इस दौरान केवल पार्क स्थित प्राचीन शिव मंदिर से लेकर आस पास के सभी मंदिरों से होते हुए भगवान परशुराम जी का नगर भ्रमण मजलिस पार्क के राम मंदिर पर संपन्न हुआ। इस मौके पर हजारों की संख्या में क्षेत्र के ब्राह्मणों सहित अन्य समुदायों के सम्मानित लोगों ने भी हिस्सा लिया। जगह जगह पुष्पवर्षा से शोभा यात्रा का भी स्वागत किया गया। मजलिस पार्क ए ब्लॉक के प्राचीन शिव मंदिर पर जब ये शोभा यात्रा पहुँची तो मंदिर समिति ने पुष्पवर्षा कर इसका ऐतिहासिक स्वागत किया। ढोल, नगाड़ों की थाप पर सभी थिरकने को मजबूर दिखे। हाथों में फरसे लेकर सभी झूमते नाचते हुए चल रहे थे। वहीं, शोभा यात्रा के अगले दिन यानी अक्षयतृतीय के अवसर पर विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान परशुराम जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद राम मंदिर के सामने बने वातानुकूलित बारात घर में भव्य परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर सर्व समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में महंत अनिल शर्मा की संगीत पार्टी ने भगवान परशुराम के भजनों पर ऐसा समा बांधा कि हर कोई उनपर थिरकता नजर आया। इसके बाद जलपान की भी बहुत खास व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में मंच का संचालन अजय शर्मा ने किया। वहीं, कार्यक्रम की रूपरेखा से लेकर व्यवस्था में मुख्य संरक्षक नवीन त्यागी, प्रधान अरविंद शर्मा, हरीश भारद्वाज, चंद्रशेखर शर्मा, उमेश शर्मा, अजय शर्मा, किरण शर्मा सहित युवाओं ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसके अलावा मजलिस पार्क राम मंदिर में परशुराम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सुभाष दीक्षित ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

वहीं, राम मंदिर समिति के प्रधान नरेश टंडन, महासचिव सुनील खन्ना और कोषाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल सहित पूरी समिति ने एकमत से मूर्ति स्थापना के प्रस्ताव को पास किया।

ये लोग रहे मौजूद: चाँदनी चौक लोकसभा के सांसद डॉ हर्षवर्धन, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पवन शर्मा, पूर्व विधायक मंगत राम सिंघल, निगम में नेता सदन मुकेश गोयल, निगम पार्षद नेहा अग्रवाल, निगम पार्षद सुमन शर्मा, पूर्व सिविल लाईन जोन चेयरमैन नवीन त्यागी, प्रधान अरविंद शर्मा, एक्शन इंडिया समूह के संपादक रवि भारद्वाज, संरक्षक सीता राम शर्मा, मजलिस पार्क वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सुभाष दीक्षित, महासचिव आईएस बंसल, कोषाध्यक्ष नीरज कपूर, सुधीर पाठक, संरक्षक अजय शर्मा, आर.एस. त्यागी, चंद्रशेखर शर्मा, उमेश शर्मा, सुरेंद्र त्यागी, चंद्रपाल शर्मा, हरीश भारद्वाज, सहित दिल्ली प्रदेश ब्राह्मण सभा, आदर्श नगर क्षेत्र की पूरी कार्यकारिणी मौजूद रही। वहीं भक्तों का सैलाब देखने लायक था।

भगवान परशुराम के जयकारे से गूंज उठा वातावरण

- मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा से से एक दिन पूर्व आदर्श नगर में भव्य, अद्भुत भगवान परशुराम जी की शोभयात्रा निकाली गई
- समाज के सभी तबके के लोगों ने कार्यक्रम में बढचढ़ कर की शिरकत

मजलिस पार्क राम मंदिर में भगवान परशुराम जी की मूर्ति हुई प्राण प्रतिष्ठित

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के प्रख्यात श्री राम मंदिर, गली नं. 7 मजलिस पार्क में भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाने के साथ-साथ भगवान परशुराम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठित की गई। इस मौके पर हर कोई भगवान परशुराम जी के जयकारे लगा रहा था। मंदिर का प्रांगण जयघोष से गूंज रहा था।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठित करने से पूर्व हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ। हिंदू रीति-रिवाजों और पौराणिक ग्रंथों के अनुसार हवन यज्ञ से जहां देवता प्रसन्न होते हैं वहीं वातावरण भी शुद्ध होता है। आचार्य ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान परशुराम जी की प्रतिमा का अभिषेक कराया। भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प,चंदन अर्पित कर माला व जनेऊ धारण कराया। परशुराम सूक्त और स्त्रोत का पाठ किया गया। इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सामूहिक रुप से भगवान परशुराम की आरती कर खुशहाली की कामना की। हवन के बाद आरती कर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

डॉ. हर्षवर्धन, पूर्व केंद्रीय मंत्री: भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे। भगवान परशुराम ब्राह्मणों के लिए ही नहीं समस्त समुदाय में पूज्यनीय हैं। उन्होंने सम्पूर्ण मानव समाज को अन्याय का विरोध करने के लिए प्रेरित किया।

पवन शर्मा, विधायक, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र: भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सबको बधाई। भगवान परशुराम शस्त्रविद्या के महान गुरु थे। तो शास्त्रविद्या में भी पारंगत थे। दिल्ली प्रदेश ब्राह्मण सभा को बधाई जिन्होंने भव्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

नवीन त्यागी, मुख्य संरक्षक, ब्राह्मण: इस आयोजन में समस्त समाज का सर्वसमाज का बहुत सहयोग मिला। भगवान परशुराम सभी के लिए पूज्यनीय हैं। भगवान परशुराम दुष्टों के संहारक हैं। सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई ।

मंगत राम सिंघल पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार: जिस प्रकार से भगवान परशुराम ने लोगों के जीवन में उजाला लाने का कार्य किया था, उसी प्रकार से हमें भी गरीब और निर्धन की झोंपड़ी में उजाला लाने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि सभी वर्ग के लोगों का कल्याण हो सकें।

मुकेश गोयल, नेता सदन दिल्ली नगर निगम: भगवान परशुराम पराक्रम के कारक और सत्य के धारक हैं। भगवान परशुराम दुष्टों के संहारक हैं। सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई ।

सुमन शर्मा, निगम पार्षद, आजादपुर वार्ड: सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई। भगवान परशुराम ने सम्पूर्ण मानव समाज को अन्याय का विरोध करने के लिए प्रेरित किया। हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

नेहा अग्रवाल, निगम पार्षद, धीरपुर वार्ड: सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई। भगवान विष्णु के छठे अवतार थे। भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्रों के ज्ञाता थे। हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

सुभाष दीक्षित: राम मंदिर समिति का मैं दिल की गहराईयों से बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरा भगवान परशुराम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में पूर्ण सहयोग दिया। सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई।

अरविंद शर्मा, प्रधान, दिल्ली प्रदेश ब्राह्मण सभा: इस आयोजन में समस्त ब्राह्मण समाज और अन्य समुदाय के लोगों ने जो भरपूर सहयोग दिया उनका मैं तहेदिल से धन्यवाद करता हूं। इस आयोजन में सभी ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इसलिए सभी बधाई के पात्र हैं।

रवि भारद्वाज, समूह संपादक, एक्शन इंडिया: भगवान परशुराम जन्मोत्सव की सबको बधाई। इस भव्य आयोजन के लिए दिल्ली प्रदेश ब्राह्मण सभा का दिल की गहराईयों से अभिनंदन और साधुवाद। भगवान परशुराम जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होना सबके लिए गौरव की बात है।

अजय शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा: सभी को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। सत्य का मार्ग कठिन अवश्य ही है किंतु जो व्यक्ति इस मार्ग पर संघर्षरत रहता है उसका एक दिन कल्याण अवश्य ही होता है। सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई।

हरीश भारद्वाज, वरिष्ठ उपप्रधान: सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई। हम सबको भगवान परशुराम जी के बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। हमेशा ही सत्य का साथ देना चाहिए, क्योंकि सत्य झूठ के बीच अपनी राह खोज लेता है।